www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 162 || लखनऊ
रविवार
13 सितम्बर 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:50
सूर्यास्त: 06:13
अधिकतम: 33°00
न्यूनतम: 27°00

विशेष समाचार | फरक्का पर बिहार की सियासत... >> पेज 04 | कॉलेज की दीवार गिरने से ... >> पेज 06 | सलमान खान फिल्म्स पर भड़के ...

‘किताबें देती हैं दुनिया समझने की ताकत’

एलयू में योगी बोले- किताबों से दूरी की धारणा गलत, युवा पढ़ना चाहता है

उद्घाटन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में गोमती पुस्तक महोत्सव शुरू हो गया है। सीएम योगी ने शनिवार को महोत्सव का उद्घाटन किया। CM योगी ने कहा कि डिजिटल दौर में युवा किताबों से दूर नहीं हुआ है। युवा आज भी पढ़ना चाहता है। जरूरत सिर्फ किताबों को युवाओं तक पहुंचाने की है। युवाओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुस्तक ‘एग्जाम वॉरियर्स’ पढ़ने की अपील की। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि किताबें बच्चों में ज्ञान, विचार, संस्कार, जिज्ञासा और कल्पनाशक्ति विकसित करती हैं। उन्होंने बढ़ते स्क्रीन टाइम पर चिंता जताई। कहा, स्क्रीन हमें दुनिया दिखाती है, लेकिन पुस्तकें हमें दुनिया समझने की ताकत देती हैं। सीएम योगी के कार्यक्रम को देखते हुए विश्वविद्यालय में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी थी। कार्यक्रम से पहले समाजवादी छात्र सभा और NSUI के पदाधिकारियों और सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में लिया। विरोध की आशंका को देखते हुए पुलिस ने यह कार्रवाई की। NSUI और समाजवादी छात्र सभा के सदस्यों को देर रात हॉस्टल से हिरासत में लिया गया। नौ दिन चलने वाले इस महोत्सव में 121 प्रकाशक करीब 250 स्टॉल लगाए हैं। यहां हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, अवधी समेत विभिन्न भारतीय भाषाओं की हजारों किताबें उपलब्ध हैं। महोत्सव में प्रवेश पूरी तरह निशुल्क है। ये कार्यक्रम आज से 20 सितंबर तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब समाज अपनी विरासत और ज्ञान परंपरा से दूर होता है तो उसकी पहचान का संकट पैदा होता है। उन्होंने कहा कि एक समय उत्तर प्रदेश को 'बीमारू राज्य' की श्रेणी में रखा जाता था और यहां के युवाओं के सामने पहचान का संकट था। पिछले दस वर्षों में किए गए सकारात्मक प्रयासों से स्थिति बदली है और आज इसके परिणाम दिखाई दे रहे हैं। LU के छात्र अहमद राजा ने कहा कि विश्वविद्यालय की फीस वृद्धि को लेकर सीएम से मिलना चाहते थे मगर हिरासत में ले लिया गया CM योगी के पहुंचने के समय छात्रों ने विश्वविद्यालय के गेट नंबर 2 और 3 के पास हाथों में पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

योगी बोले- हर ग्राम सचिवालय में बनाई गई लाइब्रेरी

योगी ने ग्रामीण क्षेत्रों में पुस्तक और डिजिटल लाइब्रेरी की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की करीब 57,600 ग्राम पंचायतों के ग्राम सचिवालयों में लाइब्रेरी बनाई गई है। इनमें नेशनल बुक ट्रस्ट की किताबें उपलब्ध कराई गई हैं और डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा भी दी गई है। उन्होंने कहा कि इससे गांव के छात्र और युवा अपने ही ग्राम सचिवालय में जाकर पढ़ाई और ज्ञान हासिल कर रहे हैं।

> “योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्वपूर्ण केंद्र रही है। लखनऊ से करीब 70 किलोमीटर दूर नैमिषारण्य में भारतीय ज्ञान परंपरा और चिंतन को आगे बढ़ाने का काम हुआ। काशी के विश्वविद्यालय, प्रयागराज का कुंभ और शुकतीर्थ भी इसी समृद्ध परंपरा का हिस्सा हैं।

मुख्यमंत्री ने भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि ऋषियों ने 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' का संदेश दिया था, जिसका अर्थ है कि ज्ञान चारों दिशाओं से आने के लिए द्वार खुले रखने चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल स्कूल, कॉलेज या विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम को पढ़ लेने से कोई व्यक्ति पूर्ण रूप से ज्ञानवान नहीं हो सकता।

सीएम बोले- गोरखपुर में लखनऊ से ज्यादा पहुंची भीड़

योगी ने कहा कि जब पहली बार लखनऊ में पुस्तक महोत्सव के आयोजन का प्रस्ताव आया था, तब उन्हें भी आशंका थी कि युवा इसमें कितनी रुचि दिखाएंगे। लेकिन आयोजन के परिणाम उत्साहजनक रहे। उन्होंने बताया कि गोरखपुर में पुस्तक महोत्सव के दौरान लखनऊ की तुलना में अधिक भीड़ पहुंची और ज्यादा पुस्तकों की बिक्री हुई। इससे यह स्पष्ट हुआ कि युवा पुस्तकों से दूर नहीं है, बल्कि उसे सही मंच और सुविधा उपलब्ध कराने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पांचवें गोमती पुस्तक महोत्सव में इस बार 80 से बढ़कर 250 स्टॉल लगाए गए हैं। अगले नौ दिनों तक हजारों छात्र और युवा यहां ज्ञानवर्धक, मनोरंजक और रोचक पुस्तकों से रूबरू हो सकेंगे। इस दौरान पुस्तकों के विमोचन के साथ लेखकों से संवाद और उनकी रचनाओं व जीवन यात्रा को जानने का अवसर भी मिलेगा।

शिक्षा मंत्री गुलाब देवी बोलीं- पढ़ाई का समय दोबारा नहीं मिलता

माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने 5वें गोमती पुस्तक महोत्सव के उद्घाटन समारोह में कहा कि 12 से 20 सितंबर तक चलने वाला यह नौ दिवसीय आयोजन ज्ञान का महाकुंभ है। शिक्षा सिर्फ स्कूल की चारदीवारी और पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है। यह युवाओं के सर्वांगीण विकास का आधार है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सार्वजनिक और विद्यालयी पुस्तकालयों को आधुनिक आईटी उपकरणों, डिजिटल सुविधाओं और बेहतर संसाधनों से विकसित किया जा रहा है। प्रोजेक्ट अलंकार के तहत 2,107 राजकीय और 591 सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में भवनों का जीर्णोद्धार और सुदृढ़ीकरण किया गया है। 1,841 राजकीय विद्यालयों में आईसीटी लैब और 1,236 में स्मार्ट क्लास स्थापित की गई हैं।

युवाओं से बोले- अपना बुक बैंक बनाइए

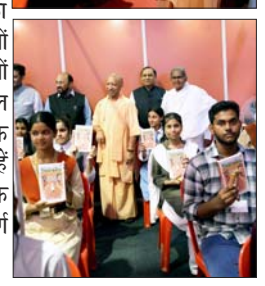

मुख्यमंत्री ने छात्रों और युवाओं से किताबें खरीदने की आदत विकसित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ अच्छी साहित्यिक, रचनात्मक, धार्मिक और महापुरुषों की आत्मकथाओं जैसी किताबें भी खरीदनी चाहिए। युवाओं को अपना 'बुक बैंक' बनाने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि किताबें जीवन में नई प्रेरणा और दिशा देने का काम करती हैं। उन्होंने कहा कि असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए। बल्कि असफलताओं और संघर्षों से गुजरकर सफलता हासिल करता है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि उनकी कोई भी मंजिल कठिन नहीं है। उन्हें अपनी राह खुद तैयार करनी है और पुस्तक मेले जैसे मंच इस राह को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

5 राज्यों में क्रिमिनल केस वाले 1405 उम्मीदवारों को टिकट

राजनीतिक दलों ने 176 दागियों को प्रत्याशी बनाने की वजह नहीं बताई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। एसोसिएशन फ्रॉम डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) की रिपोर्ट में कहा गया है कि 5 राज्यों में आपराधिक मामलों वाले 1405 उम्मीदवारों को टिकट दिए गए। ये राज्य असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पार्टियों ने आपराधिक रिकॉर्ड वाले 176 उम्मीदवारों को टिकट देने की वजह नहीं बताई। ADR ने 51 पार्टियों के 3,539 उम्मीदवारों के रिकॉर्ड की जांच की। इनमें 1,405 उम्मीदवारों ने अपने हलफनामे में क्रिमिनल केस घोषित किए थे। इनमें से 1,229 प्रत्याशियों के लिए पार्टियों ने C-7 फॉर्म में जानकारी दी, जबकि 176 की जानकारी नहीं दी। ADR के मुताबिक, पांचों राज्यों में तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 72 उम्मीदवारों के C-7 खुलासे नहीं मिले। ADR ने यहां 1,162 उम्मीदवारों का रिकॉर्ड देखा, जिनमें 473 ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 55, केरल में 27, पुडुचेरी में 12 और असम में 10 उम्मीदवारों की C-7 जानकारी उपलब्ध नहीं थी। पुडुचेरी में 112 उम्मीदवारों में से 39 यानी 35% ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। इनमें सिर्फ 12 उम्मीदवारों के टिकट देने का कारण उपलब्ध था।

बंगाल सरकार अब छात्रों के मोबाइल के पैसे नहीं देगी

सीएम बोले- इंफ्रास्ट्रक्चर पर पैसा खर्च करेंगे

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार क्लास 11 और 12 के छात्रों को मोबाइल खरीदने के लिए मिलने वाली 10 हजार की मदद बंद करेगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को इसकी घोषणा की। यह एकमुश्त मदद पिछली तृणमूल कांग्रेस (TMC) सरकार की ‘तरुणेर स्वप्नो’ योजना के तहत दी जाती थी। अधिकारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार छात्रों की पढ़ाई के लिए आधुनिक शैक्षणिक ढांचा उपलब्ध कराने पर ज्यादा पैसा खर्च करेगी। उन्होंने साफ कहा, “लेकिन हम मोबाइल फोन नहीं देंगे।” साल 2025 में बंगाल सरकार ने इस योजना के तहत 15 लाख स्टूडेंट्स को 1500 करोड़ रुपए दिए थे। अधिकारी ने पिछले हफ्ते शिक्षक दिवस के कार्यक्रम में स्कूलों में मोबाइल फोन पर रोक लगाने के संकेत दिए थे। उन्होंने गुजरात का उदाहरण देते हुए यह बात कही थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

मायावती भतीजी दीपिका को सौंप सकती हैं पार्टी

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती अपनी भतीजी दीपिका आनंद को पार्टी की कमान सौंप सकती हैं। शनिवार को उन्होंने इसका संकेत दिया। कहा- अगर भाई आनंद कुमार को मदद के लिए किसी सदस्य की जरूरत पड़ती है, तो वह अपनी इकलौती बेटी दीपिका आनंद की मदद ले सकते हैं। उनकी ईमानदारी और कार्यक्षमता के आधार पर भविष्य में पार्टी में जिम्मेदारी दी जा सकती है।

गणेश उत्सव में शराब पर रोक एकतरफा : बॉम्बे हाईकोर्ट

मुबंई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को पुणे प्रशासन को गणेश उत्सव के दौरान 10 दिन तक शराब पर रोक लगाने के लिए फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा जो व्यक्ति शराब का आदी है उसे 10 दिनों तक शराब पीने को नहीं मिली, तो वे अस्पतालों में भीड़ लगा देंगे। चीफ जस्टिस एम सी त्रिपाठी और जस्टिस अद्वैत सेठना की बेंच ने सुनवाई के दौरान पूछा कि सिर्फ पुणे को चुनने के पीछे क्या तर्क है? हम ऐसी प्रथा की निंदा करते हैं। यह पुणे के निवासियों के लिए एक कलंक है।

प्रज्वल रेवन्ना के मोबाइल में पोर्न वीडियो मिले

बेंगलुरु। बेंगलुरु की जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के मोबाइल में कई पोर्न वीडियो और पेन ड्राइव में वेब सीरीज मिली हैं। शनिवार को फोन और अन्य डिवाइस की फोरेंसिक जांच में इसका पता चला। क्राइम ब्रांच ने 11 अगस्त को परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में छापा मारा था। इस दौरान रेवन्ना को जेल की कोठरी में मोबाइल इस्तेमाल करते पकड़ा गया।

ज़ोमैटो ने ग्राहकों को दिया झटका

अब कैश में पेमेंट करना पड़ेगा महंगा

महंगाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो से खाना ऑर्डर करना अब महंगा हो गया है। अब आप जोमैटो से खाना ऑर्डर करते समय 'कैश ऑन डिलीवरी' यानी डिलीवरी के वक्त नकद भुगतान का ऑप्शन चुनते हैं, तो आपको 5 रुपए ज्यादा देने होंगे। यह नया शुल्क एप के बिल समरी में 'पे ऑन डिलीवरी फीस' के नाम से अलग से जुड़ेगा। कुछ यूजर्स के एप बिल में यह फीस 7 रुपए से लेकर 20 रुपए तक अलग-अलग भी दिखाई दे रही है। हालांकि, जो यूजर UPI, क्रेडिट/डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग जैसे डिजिटल माध्यमों से ऑनलाइन भुगतान करेंगे, जोमैटो की ओर से लगाया गया यह नया 'पे ऑन डिलीवरी फीस' कंपनी के प्लेटफॉर्म फीस, रेस्टोरेंट पैकेजिंग चार्ज, डिलीवरी चार्ज और GST से अलग है।

>> (शेष पेज 06 पर)

मोदी-जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक

चीनी राष्ट्रपति 7 साल बाद भारत आए, गलवान झड़प के बाद चीन से इम्पोर्ट दोगुना हुआ

समर्थन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पीएम मोदी के बीच दिल्ली में 50 मिनट तक बैठक चली। भारत मंडपम में बैठक के दौरान मोदी ने कहा, मैं भारत की BRICS अध्यक्षता के दौरान चीन से मिले समर्थन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूं।अब हमारे पास द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने का अवसर है। एक बार फिर, आपका भारत में हार्दिक स्वागत है। उधर जिनपिंग ने कहा कि चीन ने हमेशा भारत के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाए रखने का समर्थन किया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

ब्रिक्स समिट में पीएम मोदी के बयान की 5 अहम बातें

- **अगले 20 साल का नया एजेंडा बनाएं:** BRICS के अगले 20 साल के लिए नया एजेंडा और फैसलों पर अमल की स्थायी व्यवस्था बनाने का प्रस्ताव।
- **ग्लोबल साउथ नियम बनाने में हिस्सा ले:** AI, साइबरस्पेस, अंतरिक्ष और बायोटेक्नोलॉजी के नियम तय करने में विकासशील देशों की बराबर भागीदारी पर जोर।
- **युवाओं को तैयार करें:** युवा राजनयिकों और नीति-निर्माताओं को बातचीत और कानून की ट्रेनिंग देने का सुझाव।
- **नाविकों के लिए इमरजेंसी नेटवर्क बने:** मुसीबत में फंसे नाविकों को इलाज, परिवार से संपर्क और सुरक्षित निकालने के लिए देशों के बीच नेटवर्क बनाने की बात।
- **भविष्य सबका, फैसला भी सबका:** मोदी ने कहा- दुनिया का भविष्य साझा है तो उसे तय करने का अधिकार भी सभी देशों के पास होना चाहिए।

भारत बोला- ब्रिक्स में आम लोगों की जरूरतों पर फोकस रहा

विदेश मंत्रालय के आर्थिक संबंध सचिव सुधाकर दलेला ने कहा कि भारत ने इस साल जनवरी में चौथी बार BRICS की अध्यक्षता संभाली। यह साल BRICS के लिए खास है, क्योंकि संगठन की संस्थागत साझेदारी के 20 साल पूरे हो रहे हैं। ‘मानवता प्रथम’ के विचार के तहत भारत ने BRICS के काम को आम लोगों की जरूरतों से जोड़ने और ज्यादा व्यावहारिक बनाने की कोशिश की।

घटना : छत्तीसगढ़ में 2 कॉलेज स्टूडेंट्स नदी में लापता, बिहार में 47 लाख लोग बाढ़ प्रभावित, एमपी-राजस्थान में बारिश

उत्तराखंड में 170 फीट लंबा ब्रिज बहा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड में भारी बारिश के बीच पिथौरागढ़ के कुलागाड़ नाले पर बना 170 फीट लंबा बैली ब्रिज तेज बहाव में बह गया। इससे चीन सीमा से लगी व्यास, दारमा और चौदांस घाटियों का संपर्क टूट गया है। यह ब्रिज 27 अगस्त को ही बनाया गया था। पुराना पुल 18 अगस्त को चट्टान गिरने से टूट गया था। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में हसदेव नदी के तेज बहाव में 3 कॉलेज स्टूडेंट्स बह गए। शनिवार को एक स्टूडेंट का शव मिला। तीनों शुक्रवार को बिलासपुर के चौकसे कॉलेज के 8 छात्र-छात्राओं के साथ पिकनिक मनाने देवरी गांव पहुंचे थे। नदी किनारे सेल्फी के दौरान एक छात्र का पैर फिसला, उसे बचाने के लिए कूदे 2 अन्य छात्र भी बह गए। बिहार में बाढ़ से 15 जिलों में 47 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। उत्तर प्रदेश के 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है। 21 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। कानपुर-उन्नाव में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई हैं। नदी के किनारे पर बने गांवों में 10 फीट तक पानी भर गया है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में मानसून फिर सक्रिय हो गया है। MP के 15 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट है, जबकि राजस्थान के 29 जिलों में बारिश की संभावना है। इससे पहले शुक्रवार को राजस्थान के अलवर, सवाई माधोपुर, दौसा में तेज बारिश से सड़कों पर पानी भर गया था। एमपी के भोपाल में बारिश से विजिबिलिटी 100 मीटर से भी कम हो गई। दमोह में निचले इलाके डूब गए। दिल्ली के कई इलाकों में शुक्रवार को हल्की से मध्यम बारिश हुई। सेंट्रल दिल्ली समेत कई क्षेत्रों में बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने आज भी अगले कुछ घंटों में कई इलाकों में मध्यम से तेज बारिश का अनुमान जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक शाम के समय भी दिल्ली में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में बारिश का दौर अगले दो दिनों तक यानी रविवार तक जारी रहने की संभावना है।

दिल्ली में अगले कुछ घंटों में तेज बारिश का अनुमान

दिल्ली के कई इलाकों में शुक्रवार को हल्की से मध्यम बारिश हुई। सेंट्रल दिल्ली समेत कई क्षेत्रों में बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने आज भी अगले कुछ घंटों में कई इलाकों में मध्यम से तेज बारिश का अनुमान जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक शाम के समय भी दिल्ली में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में बारिश का दौर अगले दो दिनों तक यानी रविवार तक जारी रहने की संभावना है।

टीएमसी सिंबल विवाद : ईसी ने बागी गुट से और दस्तावेज मांगे

दो सीटों पर उपचुनाव, फैसला नहीं आया तो कैंडिडेट निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में TMC के चुनाव चिन्ह को लेकर विवाद जारी है। शनिवार को ऋतब्रत बनर्जी गुट ने चुनाव आयोग के सामने मौखिक दलीलें दीं और सवालों के जवाब दिए। आयोग ने गुट से दिन खत्म होने से पहले अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने को कहा। चुनाव आयोग की यह सुनवाई इसलिए अहम है क्योंकि यह 6 अक्टूबर को नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव से पहले हो रही है, और नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर है। बागी गुट उससे पहले सिंबल पर फैसला चाहता है। उधर ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के प्रतिनिधि भी शनिवार को चुनाव आयोग से मिल रहे हैं। उनके पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में डेरेक ओ'ब्रायन, कल्याण बनर्जी, सागरिका घोष, साकेत गोखले और वकील अभिनव सिंह शामिल हैं। यदि 16 सितंबर (नामांकन की अंतिम तिथि) तक चुनाव आयोग किसी एक गुट को मान्यता नहीं देता है, तो दोनों गुटों के उम्मीदवारों को 'इंडिपेंडेंट कैंडिडेट' के रूप में चुनाव लड़ना पड़ सकता है। 3 जून को टीएमसी में पहली बार बगावत की खबर सामने आई थी।

सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा वहां मेरे लिए दरवाजे बंद, पर वह आ सकते हैं, बाबा साहब का मिशन पूरा करेंगे

आकाश आनंद मेरी पार्टी में आ जाएं : चंद्रशेखर

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा है कि आकाश आनंद मेरी पार्टी में आ जाएं। हम दोनों भाई मिलकर बाबा साहब का मिशन पूरा करेंगे। वहां (BSP) में मेरे लिए दरवाजे बंद, पर वह आ सकते हैं। चंद्रशेखर ने यह बात शनिवार को इको गार्डन में चल रहे पंचायत सहायकों के प्रदर्शन में शामिल होकर कही।

पंचायत सहायक 5 दिन से अपना मानदेय बढ़वाने के लिए लखनऊ में प्रदर्शन कर रहे हैं। तेज धूप से बचने के लिए प्रदर्शनकारी छाता लेकर

पहुंचे हैं। नगीना सांसद चंद्रशेखर जब इस धरने में पहुंचे तो उन्हें देखने के लिए समर्थक पेड़ पर चढ़ गए।

चंद्रशेखर आजाद ने सबको संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, हमारे भाई किसी की मांग नहीं भरेंगे। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए पंचायत सहायक एक सप्ताह से मांगों को लेकर धरने पर बैठे हैं। वे मानदेय बढ़ाने समेत सेवा से जुड़ी अन्य मांगें पूरी कराने की मांग कर रहे हैं। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि मानव संवेदना सबसे ऊपर होनी चाहिए। मंत्रियों के यहां पानी पिलाने वाले को भी 20 हजार रुपए हर महीने मिलते हैं। फिर पंचायत सहायकों से 6 हजार रुपए में कैसे काम करवाया जा सकता है?

अभी 6 हजार रुपए मिलता है, 5 गुना बढ़वाना चाहते हैं

पंचायत सहायकों का कहना है कि वे ग्राम पंचायत स्तर पर ऑनलाइन और प्रशासनिक काम संभालते हैं। इसके बदले उन्हें 6 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय मिलता है। वे इसे बढ़ाकर 30 हजार रुपए प्रतिमाह करने की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि कम मानदेय के बावजूद उनसे अधिक काम लिया जा रहा है और उनका शोषण हो रहा है।

चंद्रशेखर बोले- आकाश आनंद हमारे साथ आएं, मैं उन्हें छोटा भाई मानता हूं

चंद्रशेखर आजाद ने आकाश आनंद को आजाद समाज पार्टी में शामिल होने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि भले ही बीएसपी में उनके लिए दरवाजे बंद हो गए हों, लेकिन आकाश आनंद के लिए आजाद समाज पार्टी के दरवाजे हमेशा खुले हैं। चंद्रशेखर ने कहा- आकाश भाई हमारे साथ आएं। हम मिलकर बाबा साहब के मिशन को पूरा करेंगे। आकाश आनंद भले ही मेरी आलोचना करते रहे हों, लेकिन मैंने हमेशा उन्हें अपना छोटा भाई माना है।

चंद्रशेखर आजाद को देखने के लिए समर्थक पेड़ पर चढ़ गए।

> चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि अगर धरना देने की वजह से किसी पंचायत सहायक को नौकरी से निकाला गया, तो अगला मोर्चा इको गार्डन में नहीं, बल्कि सीएम आवास पर होगा।

एलयू में सीएम के कार्यक्रम से पहले हिरासत में छात्र

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सीएम योगी के कार्यक्रम से पहले समाजवादी छात्र सभा और NSUI के पदाधिकारियों और सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में लिया। विरोध की आशंका को देखते हुए पुलिस ने यह कार्रवाई की। NSUI और समाजवादी छात्र सभा के सदस्यों को पुलिस देर रात हॉस्टल से हिरासत में लेकर गई। समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र यादव ने बताया कि पुलिस उन्हें रात करीब ढाई बजे हॉस्टल से ले गई।

महेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि पुलिस की इस कार्रवाई से छात्रों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने इसे संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ बताया। उनका कहना है कि देर रात सो रहे छात्रों को पुलिस हिरासत में लेना मानसिक रूप से परेशान करने वाला है।वहीं, CM योगी के पहुंचने पर छात्रों ने विश्वविद्यालय के गेट

एनएसयूआई और सपा छात्र सभा के सदस्यों को रात ढाई बजे हॉस्टल से उठाया

नंबर 2 और 3 के पास प्रदर्शन किया। हाथों में पोस्टर लेकर छात्रों ने 'फीस वृद्धि वापस लो' और 'बंद हुए स्कूलों को चालू करो' के नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान NSUI के अहमद रजा समेत कई छात्रों को हिरासत में लिया गया।

महेंद्र ने कहा कि हमारी मांग है कि लखनऊ विश्वविद्यालय की ग्रांट बढ़ाई जाए। अभी विश्वविद्यालय को 34 करोड़ रुपए की ग्रांट मिलती है। यह काफी कम है।

फास्ट न्यूज

सांप के डसने से 22 दिन की बच्ची की मौत

मोहनलालगंज। लखनऊ के निगोहां स्थित उदयपुर में सांप के डसने से 22 दिन की नवजात बच्ची की मौत हो गई। बच्ची के जन्म के बाद परिवार में खुशी का माहौल था। गुरुवार रात जहरीले सांप ने उसे डस लिया। बच्ची को बचाने के लिए परिजन रातभर उसे लेकर एक के बाद एक अस्पताल जाते रहे। लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान उन्हें काफी परेशानी हुई।

लखनऊ में रिटायर्ड एआरएम से 14 लाख की साइबर ठगी

लखनऊ। लखनऊ के राजाजीपुरम निवासी परिवहन विभाग के रिटायर्ड एआरएम बैकुण्ठ नाथ मिश्रा से साइबर ठगों ने 14 लाख रुपए ठग लिए। ठगों ने खुद को पुलिस और सीबीआई अधिकारी बताया। उन्होंने बैकुण्ठ नाथ को डिजिटल अरेस्ट कर लिया। ठगों ने कहा कि उनके आधार कार्ड से मुंबई में एक सिम जारी हुआ है। इसी नंबर से बैंक खाता खोला गया और मनी लॉन्ड्रिंग की गई। इसके बाद उन्हें पुलवामा आतंकी घटना से जोड़कर जेल भेजने की धमकी दी गई।

आईटीबीपी जवान ज्ञानेंद्र कुमार सैन का निधन

मॉल (मलिहाबाद), लखनऊ। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवान ज्ञानेंद्र कुमार सैन का गुरुवार देर रात दिल्ली के अमृता अस्पताल में निधन हो गया। वे लंबे समय से लिवर की गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। उनकी एमबीए की छात्रा बेटी पायल सैन ने पिता की जान बचाने के लिए अपना लिवर दान कर ट्रांसप्लांट कराया था, लेकिन इलाज के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हो सका।

लखनऊ कोर्ट परिसर के आसपास फिर चलेगा बुलडोजर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राजधानी के जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर और उसके आसपास के इलाकों से सभी अवैध अतिक्रमण हटाने के कड़े निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने स्थानीय प्रशासन को यह कार्रवाई हर हाल में 5 सप्ताह लगभग 35 दिन के भीतर पूरी करने को कहा है। हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 26 अक्टूबर की तारीख तय की है।

जस्टिस राजेश सिंह चौहान और जस्टिस राजीव भारती की बेंच ने दो याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि कोर्ट के पुराने आदेशों पर अमल करते हुए अब तक 57 नए अतिक्रमण और हटाए गए हैं। इससे पहले भी 14 अवैध ढांचे हटाए गए थे। नगर निगम जोन-1 के जोनल अधिकारी ने 8 सितंबर की अपनी रिपोर्ट में अतिक्रमण हटाने के फोटो सहित ब्योरा कोर्ट के सामने पेश किया। हालांकि, बेंच ने साफ किया

इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश- 5 हफ्ते में हटाएं सभी कब्जे रविवार को एक्शन

कि कार्रवाई अभी पूरी नहीं हुई है और 7 अप्रैल 2026 के आदेश के तहत बाकी बचे सभी अवैध कब्जे तुरंत हटाए जाएं।

वैधानिक सबूत न देने पर ध्वस्त करने की कार्रवाई होगी। अगर किसी को व्यक्तिगत नोटिस नहीं दिया जा पाता है, तो हिंदी और अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्रों में इश्तिहार प्रकाशित किया जाएगा, जिसके बाद जवाब देने के लिए 10 दिनों का समय मिलेगा।

शिक्षा की गुणवत्ता, संस्कार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में प्रधानाचार्यों की भूमिका महत्वपूर्ण : केशव प्रसाद

शिक्षा के विस्तार तथा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के प्रदेशीय सम्मेलन एवं शैक्षिक उन्नयन विचार गोष्ठी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता, संस्कार एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को नई दिशा देने में प्रधानाचार्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानाचार्य केवल विद्यालय के प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन नहीं करते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानाचार्य वर्तमान पीढ़ी को ऐसी

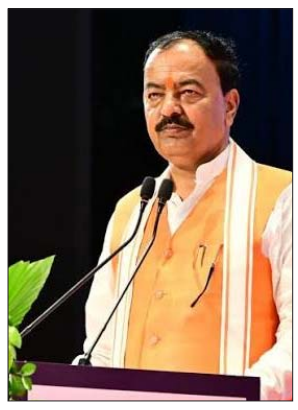

शिक्षा, दीक्षा और संस्कार प्रदान करते हैं, जिससे भारत और उत्तर प्रदेश भविष्य में भी हर क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ें। उन्होंने प्रदेशभर से आए प्रधानाचार्यों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि शिक्षा जगत के इन महत्वपूर्ण प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन और अनुभव प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने में उपयोगी है। मौर्य ने कहा कि डबल इन्जन सरकार में उत्तर प्रदेश में शिक्षा सहित प्रत्येक क्षेत्र में व्यापक सुधार और विकास के कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा के विस्तार, नवाचार को प्रोत्साहन तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। शिक्षा के क्षेत्र में सामने आने वाली व्यवहारिक समस्याओं का भी सरकार द्वारा प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में विधान परिषद में शिक्षक एवं स्नातक क्षेत्र के सदस्यों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ हुई विस्तृत बैठक में बेसिक, माध्यमिक, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

चर्चा कर समाधान का प्रयास किया जाएगा

मौर्य ने कहा कि विद्यालयों में विद्युत व्यवस्था से जुड़े विषय सहित परिषद द्वारा दिए गए ज्ञापन में उल्लिखित अन्य समस्याओं पर भी संबंधित स्तर पर चर्चा कर समाधान का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा शिक्षकों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा संबंधी सुविधाओं से लाभान्वित हो रहे शिक्षक वर्ग को राहत मिली है। इसी प्रकार प्रोजेक्ट अलंकार के माध्यम से सहायता प्राप्त विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किया जा रहा है।

शिक्षा की गुणवत्ता, संस्कार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में प्रधानाचार्यों की भूमिका महत्वपूर्ण

प्रधानाचार्यों के सम्मान और उनकी गरिमा से जुड़े विषयों को गंभीरता से लिया जाएगा

उप मुख्यमंत्री ने प्रधानाचार्य परिषद द्वारा रखी गई समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानाचार्यों के सम्मान और उनकी गरिमा से जुड़े विषयों को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक प्रधानाचार्य के पद पर कार्य करने के बाद किसी अन्य व्यक्ति के चयनित होकर आने पर पूर्व प्रधानाचार्य को उसी विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्य करना पड़े, तो इससे उनके सम्मान को ठेस पहुंचने की स्थिति बन सकती है। उन्होंने कहा कि इस विषय में वे शासन स्तर पर आवश्यक प्रयास करेंगे और जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से भी इस संबंध में चर्चा की जाएगी।

पूरी पारदर्शिता व शुद्धता के साथ जारी किया गया है लेखपाल परीक्षा परिणाम : यूपीएसएसएससी

'अनियमितता की कोई गुंजाइश नहीं'

परिणाम

यूपीएसएसएससी ने 11 सितंबर को जारी किया था लेखपाल मुख्य लिखित परीक्षा का परिणाम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) के सचिव हरिकेश चौरसिया ने लेखपाल परीक्षा परिणाम को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर कहा कि आयोग द्वारा पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और शुद्धता के साथ रिजल्ट जारी किया गया है। परिणाम जारी करने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और इसमें किसी भी प्रकार की अनियमितता की कोई गुंजाइश नहीं है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार और आयोग लगातार निष्पक्षता के साथ परीक्षाओं का आयोजन कर रहे हैं। परीक्षाओं के परिणाम भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत सही तरीके से घोषित किए जा रहे हैं। आयोग की पूरी प्रक्रिया सॉफ्टवेयर आधारित है, जिसमें मानवीय हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं है। ऐसे में रिजल्ट में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं है।

सचिव ने कहा कि परीक्षा परिणामों को लेकर आरोप लगाने वालों के पास यदि कोई तथ्य हैं, तो उन्हें सामने रखना चाहिए। बिना किसी ठोस तथ्य के आरोप लगाना उचित नहीं है। कुछ लोग या तो अपने माता-पिता को गुमराह कर रहे हैं या फिर किसी बाहरी उद्देश्य से ऐसा कर रहे हैं। ऐसे आरोपों का कोई आधार नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयोग की प्राथमिकता अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करना है। इसी उद्देश्य के साथ आयोग लगातार कार्य कर रहा है और भविष्य में भी परीक्षाओं तथा परिणामों की शुद्धता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए 28,409 अभ्यर्थी चयनित

मुख्य लिखित परीक्षा का रिजल्ट 11 सितंबर 2026 को जारी

यूपीएसएसएससी ने उत्तर प्रदेश लेखपाल भर्ती परीक्षा 2025 की मुख्य लिखित परीक्षा का रिजल्ट 11 सितंबर 2026 को जारी किया है। अभ्यर्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट upsssc.gov.in पर अपना परिणाम देख सकते हैं। इस परीक्षा के जरिए 7,994 लेखपाल पदों पर भर्ती होनी है। मुख्य लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर कुल 28,409 अभ्यर्थियों को अगले चरण के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को अब अभिलेख परीक्षण (डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन) की प्रक्रिया से गुजरना होगा। आयोग ने कहा कि यह मुख्य लिखित परीक्षा का रिजल्ट है, अंतिम चयन सूची नहीं है। अंतिम चयन दस्तावेज सत्यापन और आगे की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जारी होगा।

गोमती नदी का जलस्तर बढ़ा तराई गांवों में पहुंचा पानी

सैकड़ों बीघे धान की फसल डूबी, डीएम ने गांवों का जायजा लिया

तमसा संकेत, एजेंसी

बख्शी का तालाब। लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से तराई इलाके के ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नदी का पानी खेतों के साथ अब गांवों और घरों के आसपास तक पहुंच गया है, जिससे किसानों की सैकड़ों बीघा धान की फसल डूब गई है।

हालात का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर शनिवार को तराई क्षेत्र के गांवों में पहुंचे। उन्होंने सुल्तानपुर और लासा गांव में ग्रामीणों से बात कर पानी भरने की जानकारी ली। डीएम ने मौके पर अधिकारियों और टीमों को ग्रामीणों की मदद के लिए जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए।

डीएम विशाख जी अय्यर ने ग्रामीणों को हरसंभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने बताया कि प्रशासन की सभी टीमें लगातार गांवों का निरीक्षण कर रही हैं, ताकि ग्रामीणों को कोई परेशानी न हो। प्रशासन की तरफ से पशुपालन कैंप और स्वास्थ्य कैंप समेत अन्य जरूरी व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं।

निर्देश : एमआईएस और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के प्रभावी संचालन के लिए विद्यालय स्तर पर खर्च होगी धनराशि

परिषदीय स्कूलों में निगरानी और चाइल्ड ट्रैकिंग को योगी सरकार ने दी रफ्तार

- 6.55 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत
- यू-डायस प्लस के आंकड़ों से बच्चों की शैक्षिक स्थिति और नामांकन की होगी बेहतर निगरानी
- हर बच्चे की विशिष्ट अपार आईडी को चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम से जोड़ने पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार परिषदीय विद्यालयों में बच्चों

से जुड़ी सूचनाओं की निगरानी, विद्यालयी प्रबंधन और शैक्षिक व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में वर्ष 2026-27 के लिए एमआईएस (यू-डायस प्लस) और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के प्रभावी संचालन एवं उपयोग के लिए 6.55 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी की ओर से सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को धनराशि के उपयोग और निगरानी के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। ज्ञात हो कि इस व्यवस्था के माध्यम से योगी सरकार विद्यालयी आंकड़ों को अधिक व्यवस्थित, बच्चों की शैक्षिक प्रगति की निगरानी को अधिक प्रभावी तथा स्कूल प्रबंधन को अधिक जवाबदेह बनाने की दिशा में डिजिटल प्रणालियों के उपयोग को मजबूत कर रही है। निर्देशों के अनुसार कुल 655.01 लाख रुपये की धनराशि निर्धारित की गई है। इसमें एमआईएस (यू-डायस प्लस) के लिए 262.00 लाख रुपये तथा चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के लिए 393.01 लाख रुपये शामिल हैं। यह धनराशि विद्यालय स्तर पर एसएमसी के माध्यम से निर्धारित गतिविधियों पर व्यय की जाएगी।

> योगी सरकार विद्यालयी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के साथ हर बच्चे की शैक्षिक प्रगति पर प्रभावी नजर सुनिश्चित कर रही है। एमआईएस और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम से बच्चों से जुड़ी जानकारी के बेहतर उपयोग को नई मजबूती मिलेगी।
>
> **संदीप सिंह, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), बेसिक शिक्षा**

हर बच्चे की जानकारी को व्यवस्थित करने पर जोर

निर्देशों में यू-डायस प्लस पर विद्यालयों एवं विद्यार्थियों से संबंधित आंकड़ों के संकलन और उनके उपयोग को महत्वपूर्ण माना गया है। साथ ही चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से बच्चों की शैक्षिक स्थिति पर नजर रखने की व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। पत्र में अपार आईडी और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के बीच समन्वय स्थापित करने की दिशा में भी निर्देश दिए गए हैं, जिससे प्रत्येक विद्यार्थी की विशिष्ट पहचान के साथ उसकी शैक्षिक जानकारी को व्यवस्थित रूप से ट्रैक किया जा सके।

मॉनिटरिंग को बनाया जाएगा अधिक प्रभावी

निर्देशों में जिला स्तर से लेकर विद्यालय स्तर तक धनराशि के उपयोग की निगरानी के लिए जिम्मेदारियां तय की गई हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को एसएमसी स्तर पर हुए व्यय की प्रगति की समीक्षा करने तथा निर्धारित पोर्टल पर उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

'कमीशनखोरी ने ले ली दो अधिवक्ताओं की जान'

राजघाट निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप

सपा प्रमुख ने कहा- गोरखपुर में ट्रिपल इंजन के बावजूद निर्माण कार्य बदहाल, प्रेस वार्ता पर भी उठाए सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गोरखपुर के राजघाट निर्माण को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजघाट के निर्माण के लिए सरकार की ओर से करोड़ों रुपये की धनराशि जारी की गई, लेकिन सिंचाई विभाग ने भाजपाइयों के साथ मिलकर भ्रष्टाचार किया। उन्होंने कहा कि निर्माण में हुई कथित कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार के कारण काम की गुणवत्ता खराब हुई, जिसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि राजघाट निर्माण की बदहाली के पीछे कमीशनखोरी जिम्मेदार है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में बरती गई लापरवाही के चलते दो अधिवक्ताओं की असामयिक मौत हुई। उन्होंने अधिकारियों की ओर से

दिए जा रहे बयानों को भी असंवेदनशील बताते हुए सवाल उठाया कि ऐसे बयान देने की प्रेरणा अधिकारियों को कहां से मिल रही है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार में मृतकों के परिजनों के घाव पर लगातार नमक छिड़कने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता अब भाजपा नेताओं के भाषण और बयान सुनने के मूड में नहीं है। अखिलेश यादव ने मांग की कि निर्माण कार्य में संलिप्त अधिकारियों और गैरजिम्मेदाराना बयान देने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि अधिकारियों का निलंबन नहीं किया गया तो यह माना जाएगा कि वे अपने राजनीतिक नेतृत्व के संरक्षण में भ्रष्ट कार्य और गैरजिम्मेदार बयानबाजी कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि लोगों को पता चल जाए कि कोई निर्माण भाजपा शासनकाल में हुआ है तो वे उसके नीचे खड़े होने तक से बचने लगेंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा शासन में बनी छतरियों और द्वारों, पानी की टंकियों, दीवारों, सड़कों, हाईवे, एक्सप्रेस-वे और पुलों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने मंदिरों और संसद भवन की छतों से पानी टपकने का भी उल्लेख करते हुए सरकार पर निशाना साधा।

गंगा खतरे के निशान से 10 सेमी ऊपर

नाव से सामान लेने जा रहे लोग, प्रशासन ने बढ़ाई निगरानी

संकट

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से बाढ़ का संकट गहराता जा रहा है। शनिवार सुबह छह बजे केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार गंगा का जलस्तर 113.100 मीटर दर्ज किया गया। यह खतरे के निशान 113.000 मीटर से 10 सेंटीमीटर ऊपर है। शुक्रवार सुबह छह बजे गंगा का जलस्तर 113.060 मीटर था। इस तरह पिछले 24 घंटे में नदी का जलस्तर चार सेंटीमीटर बढ़ा है। पानी बढ़ने के साथ ही गंगा के किनारे बसे गांवों और कटरी क्षेत्रों में लोगों की मुश्किलें बढ़ने लगी हैं।

गंगा के बढ़ते जलस्तर का सबसे अधिक असर परियर, शुक्लागंज, बांगरमऊ, सफीपुर और बीघापुर

तहसील के कटरी इलाकों में दिखाई दे रहा है। कई गांव बाढ़ के पानी से घिर गए हैं, जबकि कुछ स्थानों पर पानी आबादी वाले इलाकों की ओर बढ़ने लगा है। गांवों से बाहर निकलने वाले रास्तों और संपर्क मार्गों पर पानी भरने के कारण ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो गया है। रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। बांगरमऊ तहसील क्षेत्र में गंगा के बढ़ते पानी का असर सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। बाढ़ की आशंका को देखते हुए कई परिवार

66 शुक्लागंज क्षेत्र में गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए राहत और बचाव के लिए 56 नावें लगाई गई हैं। इन नावों के जरिए पानी भरे इलाकों में फंसे लोगों को सुरक्षित जगहों तक पहुंचाया जा रहा है और जरूरी सामान लाने-ले जाने का इंतजाम किया जा रहा है। स्थानीय प्रशासनिक टीमें भी हालात पर नजर रख रही हैं।

अपने घरों से जरूरी सामान निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटे हैं। कुछ परिवारों ने पानी से बचने के लिए सड़क किनारे शरण ले ली है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि नदी का जलस्तर इसी रफ्तार से बढ़ता रहा तो आने वाले घंटों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। लोगों को घरों में पानी पहुंचने और सामान के नुकसान की चिंता सताने लगी है। परियर, सफीपुर और बीघापुर तहसील के कटरी क्षेत्रों में भी गंगा का पानी तेजी से फैल रहा है। कई स्थानों पर खेत पूरी तरह पानी में डूब गए हैं। इससे किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने वाली सड़कों पर भी पानी आने लगा है। ऐसे में ग्रामीणों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने के लिए नाव और अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है। पानी बढ़ने के कारण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंचने के बाद प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों और कर्मचारियों को नदी के जलस्तर तथा

उन्नाव में गंगा का जलस्तर बढ़ने से लोग नाव के सहारे आवागमन कर रहे हैं।

कटरी क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीणों को नदी के किनारे और बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाने से बचने की सलाह दी जा रही है। प्रशासन की ओर से लोगों को सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। अधिकारियों का कहना है कि जलस्तर और बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

अजय राय को पुलिस ने पकड़ा, घेरकर थाने ले गए

कहा- कोडीन में धनंजय को क्यों नहीं पकड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा/बाराबंकी। कारोबारी विनोद साहनी हत्याकांड में पीड़ित परिवार से मिलने गोंडा जा रहे यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने रोक लिया। शनिवार दोपहर वह 6 गाड़ियों के काफिले के साथ जा रहे थे। बाराबंकी बॉर्डर पर शहावपुर टोल प्लाजा से आगे पुलिस ने उन्हें नहीं बढ़ने दिया। इससे अजय राय भड़क गए और उनकी पुलिस से बहस हो गई। गुस्से में उन्होंने कहा- लिखित आदेश है तो दिखाओ। परिवार से मिलने से क्यों रोका जा रहा है? मैं परिवार का दुख बांटने जा रहा हूं। कोडीन कफ सिरप मामले में बाहुबली धनंजय सिंह का तुम लोगों ने क्या कर लिया? आज तक उन्हें पकड़ नहीं

पाए। हमको रोक रहे हो। अजय राय आगे जाने पर अड़े रहे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और मसौली थाने लेकर आई। थाने पहुंचते ही वह धरने पर बैठ गए। इसकी जानकारी मिलते ही गोंडा और बाराबंकी के करीब 200 कार्यकर्ता भी थाने पहुंच गए। इस दौरान करीब डेढ़ घंटे तक कांग्रेसी धरने पर बैठे रहे। 3:30 बजे अजय राय पुलिस के समझाने पर धरना समाप्त कर लखनऊ लौट गए। अजय राय ने शुक्रवार को गोंडा जाने का ऐलान किया था। इसके बाद पुलिस सतर्क हो गई थी। शहावपुर टोल प्लाजा पर बैरिकेडिंग कर 100 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। दोपहर 1:20 बजे अजय राय का काफिला पहुंचा तो सीओ करनैलगंज नरेंद्र प्रताप राय और कोतवाल नरेंद्र प्रताप ने उसे रोक लिया। इसके अलावा, गोंडा में कई कांग्रेसी नेताओं को उनके घर पर ही नजरबंद कर दिया गया। गोंडा कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा ने बताया- हम लोग परिवार से मुलाकात करेंगे, लेकिन उससे पहले पुलिस ने हमें परेशान करना शुरू कर दिया है। किसी भी हालत में हम पीड़ित परिवार के घर जरूर जाएंगे।

फास्ट न्यूज

आगरा में पोखर में गिरा मासूम

आगरा। आगरा के थाना सदर क्षेत्र स्थित मधुनगर में पानी की टंकी के पास बने पोखर में गिरने से तीन वर्षीय मासूम हृदयांश की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर मां बेटे का शव गोद में लेकर बिलखती रही। मधुनगर के नगला अकोई में मीना परिवार के साथ रहती है। पति कृष्णा गुजरात में गारमेंट फैक्ट्री में काम करता है। मीना ने बताया कि दोपहर करीब 12 बजे बेटा खेत में शौच करने गया था।

रायबरेली में चोरी करने वाले 3 गिरफ्तार

रायबरेली। रायबरेली के मिलएरिया थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय प्रेमराहपुर में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से विद्यालय से चोरी किया गया सामान और वारदात में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की गिरफ्तारी मुखबिर की सूचना पर दोहरी क्रॉसिंग के पास घेराबंदी करके की गई। पूछताछ और बरामदगी की कार्रवाई के बाद तीनों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

कोड़री गांव में बाढ़ प्रभावित एक माह बाद पहुंची राहत

रायबरेली। महाराजगंज रायबरेली के बाढ़ प्रभावित कोड़री गांव में एक महीने बाद राहत सामग्री पहुंची है। पूर्व विधायक रामलाल अकेला और पूर्व प्रधान माताफेर सिंह ने शनिवार को गांव पहुंचकर ग्रामीणों को खाने-पीने का सामान और कपड़े बांटे। महाराजगंज विकासखंड के कोड़री मजरे मोन गांव के लोग एक महीने से राहत सामग्री का इंतजार कर रहे थे। कोई मदद न मिलने से ग्रामीणों में काफी नाराजगी थी।

रायबरेली में लेखपाल पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप निराधार

लेखपाल संघ ने कार्य बहिष्कार और मानहानि मुकदमे की चेतावनी दी

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली के लालगंज तहसील में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय लेखपाल दिनेश कुमार पर लगाए गए रिश्वत के आरोपों को लेकर आपातकालीन बैठक की। संघ ने आरोपों को निराधार बताते हुए सोशल मीडिया और कुछ पोर्टल्स पर बिना प्रशासनिक पुष्टि के खबरें प्रसारित किए जाने पर नाराजगी जताई। पदाधिकारियों का कहना है कि इससे लेखपाल और उनके परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है। संघ के मुताबिक, मलकेगांव के क्षेत्रीय लेखपाल दिनेश कुमार पर ग्राम उपरेहटा निवासी सुमन द्विवेदी ने रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। महिला के मकान की छत तेज बारिश के दौरान गिर गई थी। आरोप था कि आर्थिक सहायता और मुआवजा दिलाने के नाम पर लेखपाल ने रिश्वत मांगी।

संघ बोला- अनुचित लाभ की मांग पूरी नहीं होने पर लगाए आरोप

संघ पदाधिकारियों ने दावा किया कि संबंधित महिला नियमों के विपरीत आर्थिक लाभ चाहती थी। उनकी मांग पूरी नहीं होने के बाद लेखपाल और अधिकारियों पर आरोप लगाए गए। पदाधिकारियों ने कहा कि इस तरह की खबरों में किसी कर्मचारी की प्रतिष्ठा प्रभावित हो सकती है। उन्होंने बिना तथ्यों की पुष्टि के आरोपों को प्रसारित करने पर आपत्ति जताई।

कांग्रेस 2027 चुनाव में हर जिले में लड़ेगी चुनाव

उन्नाव में अब्दुल हन्नान बोले- सम्मानजनक सीटों पर लड़ेंगे चुनाव, सीटों पर शीर्ष नेतृत्व में बातचीत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव और अवध क्षेत्र के सह प्रभारी अब्दुल हन्नान शनिवार दोपहर करीब तीन बजे उन्नाव जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचे। उन्नाव का यह उनका पहला दौरा था। यहां पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ करीब तीन घंटे तक संगठन की स्थिति और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा हुई। बैठक के बाद अब्दुल हन्नान ने कहा कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव इंडिया गठबंधन के साथ लड़ेगी। सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस और गठबंधन के शीर्ष नेतृत्व के बीच बातचीत चल रही है। जल्द ही यह स्थिति स्पष्ट हो जाएगी कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस कितनी

सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला पदाधिकारियों, ब्लॉक अध्यक्षों और न्याय पंचायत अध्यक्षों समेत संगठन के विभिन्न स्तरों के पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसमें बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने, संगठन की मौजूदा स्थिति और चुनावी तैयारियों पर चर्चा की गई। अब्दुल हन्नान ने कहा कि बैठक में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए, जो उन्नाव जिला कांग्रेस कमेटी की सक्रियता को दर्शाता है। कार्यकर्ताओं ने भी संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनाव में मजबूती से उतरने को लेकर अपने विचार रखे। कानपुर-लखनऊ हाईवे की स्थिति को लेकर भी कांग्रेस नेता ने सरकार पर निशाना साधा।

अब्दुल हन्नान ने कहा कि विपक्षी नेताओं को कई जगह जाने से रोका जा रहा है। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बाराबंकी में रोके जाने और राजेंद्र पाल गौतम को हापुड़ जाते समय गिरफ्तार किए जाने का जिक्र करते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि विपक्ष जहां भी जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर पहुंचता है, वहां उसे रोकने का प्रयास किया जाता है।

बोले- हर जिले में पार्टी का प्रतिनिधित्व हो

अब्दुल हन्नान ने कहा कि कांग्रेस सम्मानजनक सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी की कोशिश रहेगी कि प्रदेश के हर जिले में उसका प्रतिनिधित्व हो। किसी जिले में एक सीट मिले या दो, कांग्रेस अधिक से अधिक जिलों में चुनावी मैदान में उतरने का प्रयास करेगी। उन्होंने बताया कि अवध क्षेत्र के सभी जिलों में संगठन की समीक्षा की जा रही है। बूथ, न्याय पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तर तक कार्यकर्ताओं की भूमिका तय की जाएगी। संगठन को मजबूत कर 2027 के विधानसभा चुनाव में मजबूती से उतरने की रणनीति बनाई जा रही है।

बेरोजगारी, किसान और युवाओं के मुद्दों पर लड़ेगी चुनाव

कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी 2027 के चुनाव में जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी। बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं, युवाओं को रोजगार, महिलाओं, दलितों और अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दे पार्टी के चुनावी एजेंडे में प्रमुख रहेंगे। उन्होंने प्रदेश सरकार पर जनविरोधी नीतियां अपनाने और भ्रष्टाचार बढ़ने का आरोप लगाया। साथ ही विपक्षी नेताओं को रोके जाने और गिरफ्तार किए जाने का मुद्दा उठाते हुए सरकार पर लोकतांत्रिक आवाज को दबाने का आरोप लगाया।

मस्जिद गिराए जाने से जुड़े सवाल पर अब्दुल हन्नान ने कहा कि संबंधित मस्जिद 100 वर्ष से अधिक पुरानी थी और उसे गिराया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में इंतजामिया कमेटी न्यायालय पहुंची है और उन्हें कोर्ट से न्याय मिलने की उम्मीद है।

पिटाई से युवक की मौत के बाद शव रखकर प्रदर्शन

हरदोई में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग, पुलिस जल्द कार्रवाई का दिया आश्वासन

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र में पिटाई से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत के बाद शनिवार सुबह परिजनों ने बंसीपारा गांव के पास शव रखकर प्रदर्शन किया। परिजनों ने नामजद आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सख्त कार्रवाई और जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया, जिसके बाद परिजन शांत हुए। बंसीपारा निवासी छोटेलाल ने पुलिस को बताया कि मंगलवार रात उनका बेटा सुरेंद्र बाइक से अपनी बहन के घर गोड़वा जा रहा था। रावतपुर गांव में शराब ठेके के पास पहले से मौजूद आरोपियों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि रंजिश को लेकर गाली-गलौज करने के बाद आरोपियों ने लाठी-

डंडों से सुरेंद्र की पिटाई कर दी। घायल सुरेंद्र को जान से मारने की धमकी देकर आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद परिजन सुरेंद्र को कोथावां के एक निजी अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ के अस्पताल में शुक्रवार शाम इलाज के दौरान सुरेंद्र की मौत हो गई। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। छोटेलाल की शिकायत पर पुलिस ने 10 सितंबर को मदारी, इनामी, बईठू, सतीश, राजेंद्र, मिथलेश और रजनीश के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के प्रयास की धारा में मुकदमा दर्ज किया था। परिजनों का आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई। उनका कहना था कि आरोपी खुलेआम घूम रहे थे। इसी नाराजगी में शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे परिजनों ने बंसीपारा गांव के पास शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने परिजनों को आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन शांत हुए और प्रदर्शन समाप्त किया।

उन्नाव में 26 साल से जमे दूसरे कर्मचारी की भी जांच, चार दिन में मांगी रिपोर्ट

पीडब्ल्यूडी में 34 साल से एक ही पटल पर लिपिक

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) निर्माणखंड कार्यालय में 34 साल से एक ही पटल पर तैनात लिपिक अंजनी कुमार पांडेय और 26 साल से जमे कमल बाजपेयी के मामले में अब जांच शुरू होगी। एक ही पटल पर लंबे समय से तैनाती का मामला सामने आने के बाद जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने शनिवार को पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से जवाब मांगा था। डीएम के निर्देश पर प्रभारी अधिशासी अभियंता हरदयाल अहिरवार ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यों की टीम बनाई है। इस टीम में दो सहायक अभियंता और एक लेखाकार शामिल हैं। जांच टीम को चार दिन में रिपोर्ट देने के

निर्देश दिए गए हैं। निर्माणखंड कार्यालय में लिपिक अंजनी कुमार पांडेय की लंबे समय से एक ही जगह तैनाती पर सवाल उठे थे। तीन दशक से ज्यादा समय बीतने के बाद भी उनके पटल में कोई बदलाव नहीं हुआ था। वह लगातार उसी जिम्मेदारी को निभा रहे थे। यह मामला अधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद विभागीय व्यवस्था और पटल बदलने की प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े हुए। मामला जिलाधिकारी घनश्याम मीना तक पहुंचने के बाद उन्होंने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से जानकारी मांगी थी। इसके बाद प्रभारी एक्सईएन हरदयाल अहिरवार ने जांच टीम बनाई। टीम में दो सहायक अभियंता और एक लेखाकार शामिल हैं। यह टीम लिपिकों की नियुक्ति और तैनाती से जुड़े दस्तावेजों की जांच करेगी। जांच के दौरान यह भी देखा जाएगा कि अंजनी कुमार पांडेय और कमल बाजपेयी को अलग-अलग समय में कौन से पटल की जिम्मेदारी दी गई थी। उनके पटल बदलने को लेकर कोई विभागीय आदेश जारी हुआ था या नहीं, इसकी भी जांच होगी। यह भी पता लगाया जाएगा कि लंबे समय तक एक ही जिम्मेदारी पर उनकी तैनाती के पीछे क्या कारण थे। साथ ही, शासन और विभाग की पटल बदलने संबंधी व्यवस्था का पालन हुआ या नहीं, इसकी भी पड़ताल की जाएगी। प्रभारी एक्सईएन हरदयाल अहिरवार ने बताया कि उन्हें निर्माणखंड का प्रभार मिले करीब डेढ़ महीना ही हुआ है। ऐसे में लिपिक की पुरानी तैनाती और पटल से संबंधित पूरे मामले की उन्हें पहले से जानकारी नहीं थी। मामला संज्ञान में आने के बाद जांच टीम गठित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि टीम से चार दिन में रिपोर्ट मांगी गई है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद उसे जिलाधिकारी को भेजा जाएगा। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

हमला : उन्नाव में बचाने पहुंचे इकलौते बेटे को पटक-पटककर मार डाला, पिता गंभीर

सांड के हमले में पिता घायल, बेटे की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में शनिवार सुबह आवारा सांड ने पिता-पुत्र पर हमला कर दिया। मक्का की फसल में घुसे सांड को भगाने पहुंचे 62 वर्षीय किसान रज्जू खुमानी पर उसने हमला कर दिया। पिता की चीख सुनकर उन्हें बचाने पहुंचे 30 वर्षीय बेटे जगदीश पर भी सांड ने हमला कर दिया। सांड ने जगदीश को सींग में फंसाकर जमीन पर कई बार पटका। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद सांड को वहां से भगाया। तब तक पिता-पुत्र दोनों गंभीर रूप से घायल हो चुके थे। अस्पताल में डॉक्टरों ने जगदीश को मृत घोषित कर दिया, जबकि रज्जू को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया। घटना माखी थाना क्षेत्र

*** घटना की जानकारी मिलने पर माखी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जगदीश के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस घटना से जुड़ी आवश्यक कार्रवाई कर रही है। थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।**

के पैगम्बरपुर गांव की है। पैगम्बरपुर गांव निवासी रज्जू खुमानी का खेत आबादी के पास है। शनिवार सुबह एक आवारा सांड मक्का की खड़ी फसल में घुस गया और फसल को नुकसान पहुंचाने लगा। जानकारी मिलने पर रज्जू लाठी लेकर उसे खेत से बाहर निकालने पहुंचे। बताया गया कि इसी दौरान सांड अचानक आक्रामक हो गया। उसने रज्जू पर हमला कर दिया और उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। रज्जू की चीख सुनकर उनका बेटा जगदीश खेत की ओर दौड़ा। जगदीश पिता को बचाने के लिए सांड के पास पहुंचा तो उसने उस पर भी हमला कर दिया। सांड ने जगदीश को सींग में फंसा लिया और जमीन पर पटकने लगा। बेटे को बचाने के लिए आसपास

के ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे।ग्रामीणों ने लाठी-डंडों की मदद से सांड को वहां से भगाया। इसके बाद परिजन दोनों घायलों को इलाज के लिए मियागंज अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद जगदीश को मृत घोषित कर दिया।

तीन बहनों का इकलौता भाई था जगदीश

जगदीश की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वह तीन बहनों आशा, सोनी और रचना का इकलौता भाई था। मां चंदकली के इकलौते बेटे की मौत से परिवार में मातम पसरा है। वहीं, रज्जू की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने गांव और आसपास के इलाकों में घूम रहे आवारा पशुओं को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि आवारा पशुओं से फसल बर्बाद होने के साथ ग्रामीणों की जान को भी खतरा बना हुआ है।

हरदोई में 7 किमी में कॉम्बिंग, जानवर नहीं मिला

वृद्धा पर हमले के बाद 6 घंटे ड्रोन से तलाश

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के अतरौली थाना क्षेत्र के भीखपुर ऐमा गांव में एक जंगली जानवर के हमले में वृद्धा छेदाना की मौत हो गई। इस घटना के बाद वन विभाग की टीमों ने शुक्रवार दोपहर से लेकर शनिवार की सुबह तक 6 किलोमीटर के इलाके में लगातार कॉम्बिंग की। हालांकि, अभी तक हमलावर जानवर का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। जानवर को खोजने के लिए वन विभाग की तीन अलग-अलग टीमें लगी हुई हैं। टीमों ने करीब 6 घंटे तक ड्रोन कैमरे से अलग-अलग इलाकों की निगरानी की। 5 से 7 किलोमीटर के दायरे में छानबीन की गई, लेकिन पदचिन्हों के अलावा

कोई ठोस सबूत नहीं मिला। गांव में तेंदुए की मौजूदगी को लेकर भी चर्चाएं थीं, लेकिन वन अधिकारियों ने इस बात से इनकार किया है। डीएफओ शिंदे जयंत भीमराव ने बताया कि मौके पर मिले पदचिन्हों से साफ है कि हमलावर जानवर 'डॉग फैमिली' (सियार, भेड़िया या लोमड़ी) से जुड़ा है। कई लोग रात भर जागकर पहरा दे रहे हैं। वन विभाग की टीम भी रात में सतर्क रही और लगातार इलाके में गश्त करती रही।

शुरुआती जांच में रेबीज से पीड़ित पागल सियार द्वारा हमला किए जाने की आशंका है, क्योंकि जानवर ने मांस खाने के बजाय सिर्फ हमला किया था। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में डर का माहौल है। ग्रामीण डर के मारे अपने दरवाजे-खिड़कियां बंद कर सो रहे हैं।

सम्पादकीय

ब्रिक्स की महत्ता

ब्राजील, रूस, भारत और चीन के लिए गढ़े गए शब्द ब्रिक में दक्षिण अफ्रीका के शामिल होने के बाद ब्रिक्स के नाम से चर्चित इस संगठन का शिखर सम्मेलन एक ऐसे समय भारत में हो रहा है, जब ऐसे किसी समूह की आवश्यकता और बढ़ गई है। इसका एक बड़ा कारण पश्चिम और विशेष रूप से उसका नेतृत्व कर रहे अमेरिका का मनमाना रवैया है। जब करीब एक दर्जन सदस्य देशों के साथ अन्य विकासशील देश इस संगठन का प्रभाव बढ़ता हुआ देख रहे हैं और उसे बढ़ाने की आवश्यकता जता रहे हैं, तब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम का यह कहना राजनीतिक संकीर्णता ही है कि आखिर ब्रिक्स सम्मेलनों से भारत को क्या लाभ मिला है?

लगता है वे इसे स्मरण नहीं करना चाहते कि इस संगठन ने मनमोहन सरकार के समय आकार लिया था। मनमोहन सिंह ने इसके पहले और दूसरे सम्मेलन में भाग भी लिया था। उस समय तो चिदंबरम मनमोहन सरकार में मंत्री भी थे। आखिर उन्होंने इसके पहले यह क्यों नहीं पूछा कि इस संगठन से भारत को क्या लाभ मिल रहा है? मनमोहन सरकार में वित्त मंत्री होने के नाते तो उन्हें खास तौर पर यह प्रश्न करना चाहिए था। यह अच्छा हुआ कि उन्हें उनकी ही पार्टी के नेता शशि थरूर ने जवाब दिया। पता नहीं इससे उन्हें ब्रिक्स की महत्ता समझ आएगी या नहीं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि इस संगठन का और प्रभावी रूप में उभरना भारत के साथ विकासशील देशों के हित में है। यह सही है कि इस संगठन के सामने चुनौतियां भी हैं, लेकिन इसी के साथ उसके पास तमाम अवसर भी हैं।

ब्रिक्स के समक्ष अवसरों की कमी इसलिए नहीं, क्योंकि सदस्य देश दुनिया की लगभग आधी आबादी और क्रय क्षमता के हिसाब से वैश्विक जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस मायने में ब्रिक्स समूह जी-7 से आगे है। पिछले कुछ समय में यह संगठन ग्लोबल साउथ कहे जाने वाले देशों की आवाज के साथ अपने न्यू डेवलपमेंट बैंक के जरिये डालर पर निर्भरता घटाने के मंच के रूप में उभरा है।

देखना यह है कि दिल्ली में आयोजित बिक्स सम्मेलन में सदस्य और सहयोगी देश अपने मतभेदों को भुलाकर आपसी व्यापार को कितना आगे ले जाने की कोई ठोस रूपरेखा बना पाते हैं? ऐसी रूपरेखा इसलिए बननी चाहिए, क्योंकि इससे ही इस संगठन की अहमियत बढ़ेगी। आज जब अनेक देश आर्थिक, व्यापारिक और कूटनीतिक मामलों में पश्चिमी विश्व का नेतृत्व कर रहे अमेरिका की चौधराहट से परेशान हैं, तब यदि ब्रिक्स देश अपनी-अपनी मुद्राओं के जरिये आपसी व्यापार को बढ़ाने के लिए सहमत हो जाते हैं तो यह एक बड़ी उपलब्धि होगी। यह समय की मांग है कि ब्रिक्स देश आपसी सहयोग के जरिये अपनी सच्ची एकजुटता का प्रदर्शन करें।

फरक्का पर बिहार की सियासत

> केंद्र के सामने स्थिति आसान नहीं है। उसे एक ओर बिहार में अपने महत्वपूर्ण सहयोगी जदयू की मांग को नजरअंदाज नहीं करना है, दूसरी ओर भारत-बांग्लादेश जल संबंधों, अंतरराष्ट्रीय संधि और पड़ोसी देश की जल-जरूरतों को भी ध्यान में रखना है।

फरक्का ने बिहार में पानी का ऐसा राजनीतिक सवाल खड़ा कर दिया है जिसमें जदयू केंद्र को दबाव में रखकर बिहार के अधिकार की लड़ाई लड़ना चाहता है और केंद्र के सामने दुविधा है कि सहयोगी को संतुष्ट करे या भारत-बांग्लादेश संबंधों की जटिलता को साधे। गंगा का पानी अब केवल नदी, सिंचाई और खेती का विषय नहीं रह गया है। वह बिहार के अधिकार, केंद्र-राज्य संबंधों और गठबंधन राजनीति की परीक्षा भी बनता जा रहा है।

फरक्का जल संधि के नवीनीकरण की घड़ी करीब आते ही बिहार की राजनीति में गंगा का पानी सत्ता-समीकरण का नया केंद्र बन गया है। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा का यह कहना कि सत्ता रहे या जाए, बिहार के पानी और अधिकारों से समझौता नहीं होगा, सामान्य राजनीतिक बयान नहीं है। यह अपने ही गठबंधन की केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की भाषा है। खास बात यह है कि यह दबाव बाहर से नहीं, सत्ता के भीतर से आ रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का यह कहना कि फरक्का संधि के नवीनीकरण में बिहार के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा, इसी संतुलन की राजनीति को सामने लाता है। इसे भाजपा और जदयू के बीच खुला टकराव मानना जल्दबाजी होगी, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि गठबंधन के भीतर जदयू अपने दबाव की सीमा और प्रभाव को परख रहा है।

यही कारण है कि फरक्का का सवाल बिहार में एक नई राजनीतिक रेखा खींच रहा है। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि गंगा का कितना पानी बिहार को मिलेगा। बड़ा सवाल यह है कि पानी के बारे में निर्णय लेने की प्रक्रिया में बिहार की कितनी आवाज होगी। यदि किसी नदी का पानी राज्य की खेती, मछलीपालन, पेयजल, पर्यावरण और लाखों लोगों की आजीविका को प्रभावित करता है, तो क्या उस राज्य की भूमिका केवल प्रभावित पक्ष की होगी, या नीति-निर्माण में भी उसकी संस्थागत भागीदारी होगी?

1996 में भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा जल बंटवारे को लेकर हुई संधि तीस वर्ष के लिए थी। उसका केंद्र फरक्का पर उपलब्ध जल के आधार पर मुख्यतः शुष्क मौसम में पानी के बंटवारे की व्यवस्था थी। लेकिन तीन दशक में परिस्थितियां काफी बदल चुकी हैं। जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा, लंबे सूखे, अचानक अत्यधिक बारिश, भूजल का गिरता स्तर, नदी में गाद, बदलती कृषि जरूरतें और बढ़ती आबादी ने जल-संकट का स्वरूप बदल दिया है। इसलिए 2026 में केवल पुरानी संधि को नए नाम और नई तारीख के साथ दोहराना पर्याप्त नहीं होगा। बिहार के लिए यह सवाल इसलिए भी गंभीर है कि यहां बाढ़ और जल-संकट एक साथ मौजूद हैं। मानसून में पानी विनाश का कारण बन जाता है और गर्मी में वही पानी जीवन की सबसे बड़ी जरूरत बनकर सामने आता है। उत्तर बिहार की नदियां नेपाल से आती हैं। कोसी, गंडक, बागमती, कमला और महानंदा जैसी नदियों की अपनी भौगोलिक और जलवैज्ञानिक जटिलताएं हैं। दूसरी ओर गंगा के प्रवाह, फरक्का और उससे जुड़े नदी-तंत्र का प्रभाव बिहार के बड़े हिस्से पर पड़ता है। इसलिए बिहार की जल-नीति को किसी एक बांध या बैराज तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता।

यहां एक सावधानी भी जरूरी है। बिहार की हर बाढ़ के लिए फरक्का को जिम्मेदार ठहराना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा। बिहार की बाढ़ के पीछे नेपाल में भारी वर्षा, हिमालयी नदियों का तीव्र प्रवाह, गाद, तटबंध, नदी-पथ में बदलाव, स्थानीय जलनिकासी और बदलते मौसम जैसे कई कारण हैं। इसी तरह यह दावा भी सरलता होगी कि फरक्का हटते ही बिहार की सारी जल-समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। फरक्का पर बहस भावनाओं से नहीं, प्रमाण और व्यापक नदी-विज्ञान के आधार पर होनी चाहिए।

फिर भी इसका अर्थ यह नहीं कि फरक्का पर बिहार के सवाल को टाल दिया जाए। राष्ट्रीय जनता दल के सांसद सुधाकर सिंह जैसे नेताओं की ओर से बिहार को फरक्का से जुड़े निर्णयों में औपचारिक भागीदार बनाने की मांग इस बहस को एक महत्वपूर्ण दिशा देती है। इससे मुद्दा केवल अधिक पानी मांगने से आगे बढ़कर संघीय अधिकारों का प्रश्न बन जाता है। यह राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इसलिए भी है कि बिहार में अब यह प्रतिस्पर्धा दिखाई दे रही है कि राज्य के जल-अधिकार की असली आवाज कौन है।

जदयू के लिए यह मुद्दा विशेष महत्व रखता है। बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार लंबे समय से राज्य के अधिकार और विशेष जरूरतों को केंद्र के सामने रखने की राजनीति करते रहे हैं। फरक्का का सवाल उस राजनीतिक परंपरा को फिर सक्रिय करने का अवसर देता है। जदयू यदि इसे केवल चुनावी मुद्दा बनाने के बजाय बिहार की दीर्घकालिक जल-नीति का प्रश्न बनाता है, तो उसका प्रभाव व्यापक हो सकता है। लेकिन यदि यह केवल गठबंधन के भीतर दबाव बनाने या राजनीतिक पहचान मजबूत करने का माध्यम बनकर रह गया, तो इसकी स्थायी उपयोगिता सीमित होगी। केंद्र सरकार के लिए भी यह समय केवल आश्वासन देने का नहीं, नई जल-नीति की दिशा तय करने का है। भारत-बांग्लादेश संबंधों में गंगा जल का प्रश्न संवेदनशील है। बांग्लादेश के लिए पद्मा का पानी कृषि, मत्स्य पालन और ग्रामीण जीवन से जुड़ा है। इसलिए भारत में फरक्का की बहस को भारत बनाम बांग्लादेश के भावनात्मक संघर्ष में बदलना दोनों देशों के दीर्घकालिक हितों के खिलाफ होगा। गंगा किसी राजनीतिक सीमा पर पैदा नहीं हुई। उसका जल-तंत्र सीमाओं से बड़ा है और उसके संकट का समाधान भी सीमापार समझ और वैज्ञानिक सहयोग से ही संभव है।

लेकिन पड़ोसी देश के साथ संबंधों का अर्थ यह भी नहीं कि बिहार की आवाज कमजोर कर दी जाए। यही वह बिंदु है जहां भारतीय संघवाद की असली परीक्षा होती है। विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय संधियां केंद्र के अधिकार क्षेत्र में हैं, लेकिन उनके प्रभाव से राज्य बाहर नहीं हो जाते। गंगा जल का कोई भी नया ढांचा बिहार और पश्चिम बंगाल की कृषि, मत्स्य पालन, पर्यावरण और जनजीवन को प्रभावित करेगा। इसलिए संबंधित राज्यों से संस्थागत परामर्श को केवल राजनीतिक शिष्टाचार नहीं, नीति की आवश्यकता माना जाना चाहिए। फरक्का को लेकर बिहार में बैराज हटाने की मांग भी उठती रही है। इस मांग पर भी न तो आंख मूंदकर समर्थन उचित है और न बिना अध्ययन के खारिज करना। बैराज हटाने के प्रभाव का अध्ययन नदी के प्रवाह, गाद, भू-आकृति, नौवहन, मत्स्य संसाधन, डॉल्फिन और दूसरे जलीय जीवों के साथ-साथ बिहार, पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के कृषि एवं सामाजिक जीवन पर होना चाहिए।

– कुमार कृष्णन

व्रत चेतना दिवस

आज युग की मांग हैं- जन- जन में अणुव्रत चेतना जागे। भगवान् महावीर ने अनंतज्ञान (केवलज्ञान) की प्राप्ति के बाद मानव मात्र के समक्ष दों धाराओं का प्रवर्तन किया। 1 अणुव्रत 2 महाव्रत। महाव्रतों को स्वीकार करना हर कोई व्यक्ति के वश की बात नहीं हैं। परन्तु अणुव्रतों को हर कोम, जाति ,लिंग, वर्ग आदि यथा शक्ति स्वीकार कर सकता हैं। आज के इस आधुनिक वैज्ञानिक एवं भौतिक युग में व्यक्ति बाहर की चकाचौंध में आकंठ डूब रहा हैं। इसलिए परिवार बिखर रहें हैं और रिश्तें टूट रहें हैं। किसी भी राष्ट्र का सबसे बड़ा बल चरित्र बल होता हैं। राष्ट्र का चरित्र जनता पर निर्भर है। जितना चरित्र ऊंचा होता हैं उतना ही राष्ट्र उन्नत होता हैं। अणु यानि छोटे व्रत यानि संकल्प छोटे- छोटे संकल्पों से जीवन स्वर्णिम बन जाता हैं। एक छोटा सा संकल्प- मैं जीवन में अनैतिक आचरण नहीं करुंगा, यह एक ऐसा संकल्प हैं कि अहिंसा, सत्य आदि सारे नियम जीवन में उतर जाते हैं। आसक्ति संसार हैं अनासक्ति अणुव्रत हैं। अज्ञान अंधकार हैं ज्ञान अणुव्रत हैं। अविवेक संसार हैं विवेक अणुव्रत हैं। क्रोध संसार हैं समता अणुव्रत हैं। लोभ की धूप संसार हैं , अणुव्रत छतरी जीवन हैं। जिस व्यक्ति में व्रत चेतना जाग जाती हैं संसार में उससे बढ़कर कोई धनाढ्य हैं ही नहीं। संयममय नियम में जीवन की उन्नति के सोपान हैं। साधना के शिखर पर पहुंचने वाला ही दूसरों का पथ दर्शक बन सकता हैं। वर्तमान में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी हमारे पथ दर्शक प्रेरणा पाथेय हैं। हम उनकी शिक्षाओं को जीवन में अपनाकर अपनी मंजिल को प्राप्त कर सकतें हैं। यथा नाम तथा गुण हैं। इसका नाम अणु शक्ति में भी सदृश्य परमाणु हैं। वह इसकी अपार ऊर्जा हैं और बेशुमार प्रभाव हैं। युग दृष्टा, युग सृष्टा गुरुदेव तुलसी का अविस्मरणीय अवदान जो सतत महान चिन्तक थे। उन्हीं के सुचिन्तन से अणुव्रत का प्रादुर्भाव हुआ, जिसका जन-जन के मानस पर हम सकारात्मक प्रभाव देख रहें हैं। छोटे-छोटे व्रतों से जीवन सुधरता हैं।

> प्रदीप छाजेड़

बैंक कर्मचारियों की...

सरदूल सिंह

बैंक हड़ताल का व्यापक भावार्थ

शुक्रवार को थे देश के करीब 10 लाख बैंक कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल पर थे। इनमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ-साथ कुछ पुराने निजी और सहकारी बैंकों के कर्मचारी भी शामिल हैं। नए निजी बैंक, जैसे एचडीएफसी, आईसीआईसीआई और एक्सिस बैंक आदि के कर्मचारी इस हड़ताल में शामिल नहीं थे। शनिवार और उसके अगले दिन रविवार होने के कारण बैंकिंग व्यवस्था में लगातार तीन दिन कामकाज प्रभावित रहेगा।

बैंक कर्मचारियों की सबसे प्रमुख माँग पाँच दिवसीय कार्य-सप्ताह लागू करना है। इसके अलावा वेतन-भत्तों की विसंगतियों को दूर करना भी उनकी प्रमुख माँगों में शामिल है।

भारत के बैंकिंग इतिहास पर नजर डालें तो बैंक कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच पहला समझौता अक्टूबर 1966 में हुआ था। इस समझौते के तहत छह घंटे के कारोबार समय तथा सात घंटे के कार्यदिवस की माँग को स्वीकार किया गया था। बैंक कर्मचारियों के तत्कालीन समझदार और दूरदर्शी नेताओं द्वारा करवाया गया यह समझौता सैद्धांतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण था। इसके बाद हुए 12 समझौतों में वेतन-भत्तों के संशोधन, कंप्यूटरीकरण तथा कंप्यूटरीकरण के कारण काम से बाहर किए गए कर्मचारियों को समायोजित करने जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। कर्मचारी और मजदूर आंदोलनों के इतिहास का अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि कर्मचारियों की माँगें सामान्यतः आर्थिक मुद्दों से शुरू होती हैं लेकिन व्यापक सामाजिक संदर्भ में देखें तो इनके पीछे तकनीकी विकास और बेरोजगारी का द्वंद्व प्रमुख रूप से मौजूद रहता है। यदि इस पहलू पर ध्यान न दिया जाए और आंदोलन केवल आर्थिक माँगों तक सीमित रह जाए, तो हड़ताल जीतने के बावजूद उसे व्यापक अर्थों में पराजित माना जा सकता है।

भारत में 1984 के बाद कंप्यूटरीकरण का दौर शुरू हुआ और 1990 के बाद वैश्वीकरण, उदारीकरण तथा निजीकरण की नीतियों का प्रभाव बढ़ने लगा। इसके बाद एक ओर रोजगारविहीन विकास की चुनौती सामने आई, तो दूसरी ओर काम में लगे कर्मचारियों पर कार्यभार लगातार बढ़ता गया। कर्मचारियों को जितनी आर्थिक सुविधाएँ प्राप्त होती हैं, उससे अधिक की भरपाई कई बार छंटनी, नई भर्तियों पर रोक और कर्मचारियों की संख्या घटाकर उन्हीं से अधिक काम करवाने के माध्यम से कर ली जाती है। वर्तमान स्थिति में बैंक कर्मचारियों के कार्यदिवस पर नजर डालें तो वे प्रायः सुबह 9:30 बजे बैंक पहुँचते हैं और रात 8 से 9 बजे तक काम निपटाकर घर लौट पाते हैं। इस प्रकार उन्हें लगभग 11 घंटे काम करना पड़ता है। कंप्यूटर की तीव्र गति के साथ काम करने के दबाव के कारण कई-कई कर्मचारियों का काम एक ही कर्मचारी से करवाया जा रहा है। 1990 के बाद बैंकिंग कार्यों की प्रकृति में भी व्यापक परिवर्तन आया है। पहले बैंकों का मुख्य कार्य लोगों की बचत जमा करना और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें वापस करना था लेकिन वित्तीय पूँजी के विस्तार के उद्देश्य से ऋण वितरण की योजनाओं को बढ़ाया गया और बैंक कर्मचारियों को ऋण देने के लक्ष्य सौंपे जाने लगे। इसके अतिरिक्त खाते खोलने, छोटी बचत योजनाओं, बीमा और विशेष रूप से कृषि बीमा से संबंधित लक्ष्य भी कर्मचारियों को दिए जाते हैं।

बैंकिंग लेन-देन का दायरा हर वर्ष बढ़ रहा है। इसके साथ ही साइबर अपराध और बैंकिंग धोखाधड़ी की घटनाओं की जिम्मेदारी भी कई बार खाता खोलने वाले कर्मचारी पर डाल दी जाती है। ऐसी परिस्थितियों में कर्मचारियों को पुलिस मामलों और मुकदमों तक का सामना करना पड़ता है। इन्हीं परिस्थितियों के बीच पाँच दिवसीय कार्य-सप्ताह की माँग पूरे भारतीय कर्मचारी आंदोलन को दिशा देने वाली माँग बन सकती है। वेतन-भत्तों से संबंधित माँगों के अतिरिक्त यह एक सैद्धांतिक और दूरगामी महत्व वाली माँग है। पाँच दिन का सप्ताह लागू होने से बैंक कर्मचारियों को राहत मिलेगी ही, साथ-साथ नई पीढ़ी के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। उदाहरण के लिए, वर्तमान 42 घंटे के कानूनी कार्य-सप्ताह के स्थान पर यदि पाँच दिन का 35 घंटे का कार्य-सप्ताह लागू किया जाता है, तो साप्ताहिक कार्यसमय में सात घंटे की कमी होगी, अर्थात कार्यसमय में लगभग 16.6 प्रतिशत की कमी आएगी। यदि कार्यसमय में 16.6 प्रतिशत की कमी होती है तो उपलब्ध काम को बाँटने पर रोजगार के अवसरों में लगभग 20 प्रतिशत तक वृद्धि की संभावना बनती है। यह सिद्धांत अत्यंत सरल और महत्वपूर्ण है। तकनीकी उन्नति के साथ रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा कर्मचारियों को अवकाश और व्यक्तिगत जीवन के लिए समय उपलब्ध करवाने का एक प्रभावी मार्ग कार्यसमय को सीमित करना है। इसका सीधा गणित यह है कि यदि कार्यसमय में 10 प्रतिशत की कमी की जाए तो रोजगार के अवसर लगभग 11 प्रतिशत बढ़ सकते हैं।

इन योजनाओं ...

डॉ. मनोज चंद्रा

किसान्हीरा लाल यादव ने नवाचारी खेती से सरसों उत्पादन में रचा नया कीर्तिमान

प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में 'बीज से बाजार तक' के संकल्प के साथ किसानों की आय दोगुनी करने हेतु निरंतर कार्य किए जा रहे है। कृषि विभाग की किसान-हितैषी नीतियों और तकनीकी हस्तांतरण ने प्रदेश के अन्नदाताओं को न केवल आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि उन्हें नवाचार की दिशा में भी प्रेरित किया है। जनपद भदोही के ग्राम पिपरी के प्रगतिशील किसान श्री हीरा लाल यादव की सफलता की कहानी इस संकल्प की सिद्धि का एक जीवंत उदाहरण है। सरसों का रबी फसल सीजन में तिलहनी फसलों में महत्वपूर्ण स्थान है। प्रदेश में तिलहनी फसलों का क्षेत्र विस्तार हुआ है। प्रदेश सरकार बीज वितरण से लेकर सिंचाई और बाजार तक की तिलहनी फसलों के उत्पादन हेतु सभी सुविधाये किसानों को दे रही है। आज लगातार बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण तिलहन की उपयोगिता बढ़ती जा रही है। प्रदेश सरकार द्वारा निःशुल्क उन्नतशील बीज किसानों को दिये जा रहे है, जिनमें तोरिया, सरसों, तिल और अलसी जैसी तिलहनी फसलों के हाई क्वालिटी सर्टिफाइड बीज मुफ्त मिनी किट के रूप में बांटे गये है। प्रदेश सरकार गन्ना किसानों को गन्ने की कतारों के बीच खाली जगह में सरसों और राई जैसी तिलहनी फसले उगाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इससे किसानों को बिना अतिरिक्त जमीन के दो गुना मुनाफा मिल रहा है। प्रदेश के काफी संख्या में किसान नगदी फसल होने के कारण तिलहनी फसलों का उत्पादन कर लाभान्वित हो रहे है। स्नातक शिक्षित हीरा लाल यादव पारंपरिक खेती से जुड़े थे, लेकिन कृषि विभाग और क्षेत्रीय कर्मचारियों के निरंतर संपर्क में आने के बाद उनके कृषि जीवन में बड़ा बदलाव आया। उन्हें विभाग की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं जैसे ैड।म् (सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन), हरित क्रांति योजना (धान व गेहूं प्रदर्शन), च्ञटल् (परम्परागत कृषि विकास योजना) और उद्यान विभाग के माध्यम से ड्रिप इरिगेशन का लाभ प्राप्त हुआ। इन योजनाओं ने उन्हें आधुनिक संसाधनों और वैज्ञानिक पद्धतियों से जोड़ने का कार्य किया। किसान ने नवाचारी खेती और नवीन तकनीक अपनाते हुए प्रदेश सरकार की संचालित योजनाओं को अपनाया, जिससे उन्हें खेती में संबल मिला। श्री हीरा लाल बताते हैं कि उन्हें कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारी और कृषि विज्ञान केन्द्र, बेजवां के वैज्ञानिकों से समय-समय पर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। रहमान खेड़ा (लखनऊ) और जनपद के बाहर आयोजित उच्च स्तरीय प्रशिक्षणों ने उनके दृष्टिकोण को बदला। उन्होंने जैविक खेती की ओर कदम बढ़ाते हुए गोबर की खाद और वर्मी कम्पोस्ट का प्रयोग शुरू किया तथा धान, गेहूं एवं सरसों की खेती हेतु कतारबद्ध (लाइन) बुवाई की विधि अपनाई। प्रदेश में जहाँ पहले सरसों की बुवाई वैज्ञानिक विधि से न करने के कारण प्रति हेक्टेयर मात्र 22 से 24 कुंतल प्रति हेक्टे0 उत्पादन मिल पाता था, वहीं कृषि विभाग के मार्गदर्शन में किसान श्री हीरा लाल ने वर्ष 2024-25 में सरसों की 'धाकड़' प्रजाति की समयबद्ध एवं वैज्ञानिक ढ़ग से बुवाई, सिंचाई, निकाई, गुड़ाई, उर्वरक का प्रयोग किया।

जरा हटके

गोवंश संरक्षण की ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

रायबरेली में गोवंश संरक्षण को मिल रही नई दिशा

प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनपद रायबरेली में निराश्रित एवं बेसहारा गोवंशों के सुनियोजित संरक्षण, संवर्धन और सुदृढ़ प्रबंधन हेतु जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर एक बहुआयामी कार्ययोजना संचालित की जा रही है। कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पारिस्थितिकीय संतुलन और पशु कल्याण को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में गोवंश संरक्षण की व्यवस्था को सुदृढ़ एवं संस्थागत स्वरूप प्रदान किया गया है। बेसहारा गोवंश को मानवीय संरक्षण उपलब्ध कराने के साथ-साथ किसानों की फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करना इस समूची व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य है। जनपद में वर्तमान में कुल 87 गो आश्रय स्थल पूर्ण सक्रियता और निर्धारित मानकों के साथ संचालित हैं, जहां अब तक 37,446 निराश्रित गोवंशों को सुरक्षित आश्रय प्रदान किया जा चुका है। जिला प्रशासन द्वारा आश्रय स्थलों में गोवंश के भरण-पोषण, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, स्वच्छ पेयजल, गुणवत्तापूर्ण चारा और मौसमी सुरक्षा से जुड़े प्रबंधों की सतत निगरानी की जा रही है, जिससे सभी केंद्र सुव्यवस्थित और प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं।

जनपद की भौगोलिक स्थिति और स्थानीय आवश्यकताओं के दृष्टिगत इन 87 गो आश्रय स्थलों का श्रेणीवार संचालन सुनिश्चित किया गया है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में त्वरित राहत और तात्कालिक संरक्षण के उद्देश्य से स्थापित 56 अस्थायी गो आश्रय स्थलों में वर्तमान में 21,907 गोवंशों की देखभाल की जा रही है। इसके साथ ही बुनियादी ढांचे से सुसज्जित 16 स्थायी गो आश्रय स्थलों में 7,798 गोवंश सुरक्षित रूप से संरक्षित किए गए हैं।

संरक्षण व्यवस्था को वृहद स्वरूप देने के उद्देश्य से जनपद में 07 वृहद गो संरक्षण केंद्रों की स्थापना की गई है, जिनमें वर्तमान में 5,018 गोवंशों का भरण-पोषण किया जा रहा है। इन केंद्रों में आधुनिक पशु शेड, पक्की चरही और जल निकासी की समुचित व्यवस्था विकसित की गई है। वहीं दूसरी ओर, नगरीय क्षेत्रों में निराश्रित पशुओं के विचरण की समस्या के स्थायी समाधान हेतु 08 नगर पंचायतों में संचालित गो आश्रय स्थलों के माध्यम से 2,723 गोवंशों को आश्रय प्रदान कर शहरी स्वच्छता और पशु सुरक्षा का सामंजस्य स्थापित किया गया है।

गोवंश संरक्षण की इस मुहिम में आमजन की सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार की 'मुख्यमंत्री सहभागिता योजना' जनपद में अत्यंत प्रभावी भूमिका निभा रही है। जिला प्रशासन के सतत प्रयासों और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से अब तक 2,921 गोवंश इच्छुक किसानों, पशुपालकों और स्थानीय लाभार्थियों को सुपुर्द किए जा चुके हैं। इस योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को निर्धारित आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे गोवंशों को पारिवारिक परिवेश में व्यक्तिगत देखभाल मिल रही है और ग्रामीण स्तर पर जनसहभागिता का दायरा विस्तृत हुआ है।

आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों के पोषण प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। वर्ष भर हरे और पौष्टिक चारे की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए जनपद के 78 किसानों के साथ अनुबंध किया गया है। यह व्यवस्था एक ओर जहां स्थानीय कृषकों को सुनिश्चित बाजार और अतिरिक्त आय का साधन उपलब्ध करा रही है, वहीं दूसरी ओर गो आश्रय स्थलों को स्थानीय स्तर पर ताजा हरा चारा निरंतर प्राप्त हो रहा है। चारा उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार की चारा नीति के तहत गो आश्रय स्थलों से संबद्ध भूमि का उपयोग किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जनपद में 56 हेक्टेयर क्षेत्रफल में पौष्टिक चरी की बुवाई कराई गई है, जबकि 05 हेक्टेयर भूमि पर उच्च पोषण मूल्य और तीव्र वृद्धि वाली बहुवर्षीय नेपियर घास की खेती कराई जा रही है। स्थानीय स्तर पर उत्पादित यह चारा गोवंश के बेहतर पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

गोवंश के शारीरिक स्वास्थ्य और पोषण स्तर को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए गो आश्रय स्थलों में आधुनिक तकनीक से 'अजोला' उत्पादन की दिशा में ठोस कार्य प्रारंभ किया गया है। प्रोटीन, खनिज और विटामिनों से भरपूर अजोला को आहार में शामिल करने से गोवंश की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि हो रही है। इसके अतिरिक्त सूखे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भूसा भंडारण और संतुलित पोषक तत्वों के वितरण की समुचित व्यवस्था लागू है। गो आश्रय स्थलों को केवल देखभाल केंद्र तक सीमित न रखकर उन्हें स्वावलंबी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर इकाइयों के रूप में विकसित करने के लिए अनेक नवोन्मेषी प्रयास किए जा रहे हैं। गोवंश अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण और उपयोग के उद्देश्य से आश्रय स्थलों में बायोगैस संयंत्रों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे स्वच्छ ऊर्जा की स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति हो रही है।

अपशिष्ट प्रबंधन की इस श्रृंखला में वर्मी कम्पोस्ट (केंचुआ खाद), बायो फर्टिलाइजर और जैविक गोबर खाद के उत्पादन को प्राथमिकता दी जा रही है। इन जैविक खादों को स्थानीय किसानों और बागवानी कार्यों के लिए उपलब्ध कराकर गो आश्रय स्थलों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत सृजित किए जा रहे हैं। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जनपद में रसायनमुक्त प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने में भी सहायक सिद्ध हो रही है। मौसम के प्रतिकूल प्रभावों से गोवंश की सुरक्षा के लिए आश्रय स्थलों में पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। ग्रीष्म ऋतु में तेज धूप और लू से बचाव के लिए शेडों में पंखे, कूलर और आधुनिक फॉगर सिस्टम लगाए गए हैं। गो आश्रय स्थलों के परिसर को पर्यावरण-अनुकूल और हरित बनाने के उद्देश्य से सघन पौधरोपण कराया गया है। रोपित पौधों की सुरक्षा के लिए मजबूत ट्रीगार्ड लगाए गए हैं। नीम, पीपल, बरगद और पाकड़ जैसे छायादार और दीर्घायु वृक्षों के रोपण से आश्रय स्थलों का परिवेश स्वच्छ और स्वास्थ्यप्रद बना हुआ है। संरक्षित गोवंशों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए पशु चिकित्सा विभाग के समन्वय से नियमित स्वास्थ्य परीक्षण का तंत्र स्थापित किया गया है। संक्रामक रोगों से बचाव हेतु खुरपका-मुंहपका (एफएमडी), गलघोंटू (एचएस) और अन्य घातक बीमारियों के विरुद्ध शत-प्रतिशत टीकाकरण और समय-समय पर कृमिनाशक दवाओं का सेवन सुनिश्चित किया जाता है।

68,500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का हंगामा

डिप्टी सीएम केशव मौर्य का आवास घेरा, पुलिस से धक्का-मुक्की, कपड़े फाड़ने का आरोप

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने शनिवार को राजधानी लखनऊ में नियुक्ति की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में अभ्यर्थी डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के आवास के बाहर पहुंच गए और घेराव कर नारेबाजी शुरू कर दी। करीब आधे घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थी लगातार नियुक्ति की मांग करते रहे। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण के नियमों का पालन नहीं किए जाने का आरोप लगाया। अभ्यर्थियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है-आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है-आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे लगाए। पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को मौके से हटाने की कोशिश के बाद माहौल और गरमा गया। प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें जबरन उठाकर वहां से हटाया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर कपड़े फाड़ने और बदसलूकी करने का भी आरोप लगाया। हालांकि, प्रदर्शन के दौरान पुलिस की ओर से स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अभ्यर्थियों को मौके से हटाया गया। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी नियुक्ति की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। उनका कहना है कि कई वर्षों से भर्ती प्रक्रिया और आरक्षण से जुड़े विवाद के कारण उनका भविष्य अधर में है। प्रदर्शन में शामिल तूफान सिंह ने कहा कि 10 सितंबर को अभ्यर्थियों की बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी से मुलाकात हुई थी। उनके मुताबिक, बैठक में दोनों विभागों के कई अधिकारी भी मौजूद थे। तूफान सिंह का दावा है कि बैठक के दौरान मंत्रियों और अधिकारियों ने भी भर्ती में गड़बड़ी की बात स्वीकार की। उन्होंने कहा कि राज्य पिछड़ा आयोग और राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग भी इस मामले को स्वीकार कर चुके हैं। अब सरकार के मंत्री और अधिकारी भी इसे मान रहे हैं, इसके बावजूद अभ्यर्थियों को नियुक्ति क्यों नहीं दी जा रही है। उन्होंने सरकार से मामले में जल्द निर्णय लेकर अभ्यर्थियों को राहत देने की मांग की। अभ्यर्थियों के मुताबिक, वर्ष 2018 में प्रदेश में 68,500 सहायक शिक्षकों की भर्ती निकाली गई थी। भर्ती प्रक्रिया के दौरान दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को पांच प्रतिशत की छूट का प्रावधान था। अभ्यर्थियों का आरोप है कि इन चारों श्रेणियों के अभ्यर्थियों को निर्धारित छूट का लाभ नहीं दिया गया और सामान्य अभ्यर्थियों के साथ ही परिणाम जारी कर दिया गया। अभ्यर्थियों का कहना है कि यदि निर्धारित छूट का लाभ दिया जाता तो बड़ी संख्या में अभ्यर्थी भर्ती परीक्षा में सफल हो सकते थे। इसी आधार पर वे परिणाम में संशोधन कर नई चयन सूची जारी करने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग है कि भर्ती परीक्षा के पासिंग मार्क्स में पांच प्रतिशत की छूट दी जाए।

- केशव प्रसाद मौर्य की आवास के बाहर प्रदर्शन करते हुए अभ्यर्थी।
- प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को टांग कर ले गई पुलिस।

सीतापुर से आए आशुतोष वर्मा ने कहा कि हम पिछले 8 साल से नौकरी के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में बड़े स्तर पर आरक्षण घोटाला हुआ है। राज्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी आरक्षण में गड़बड़ी की बात मानते हुए नियमों का पालन करने का आदेश दिया है।

पूरी पारदर्शिता व शुद्धता के साथ जारी किया गया है लेखपाल परीक्षा परिणाम: यूपीएसएसएससी

चयन आयोग के सचिव हरिकेश चौरसिया ने कहा, इसमें अनियमितता की कोई गुंजाइश नहीं

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) के सचिव हरिकेश चौरसिया ने लेखपाल परीक्षा परिणाम को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर कहा कि आयोग द्वारा पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और शुद्धता के साथ रिजल्ट जारी किया गया है। परिणाम जारी करने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और इसमें किसी भी प्रकार की अनियमितता की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार और आयोग लगातार निष्पक्षता के साथ परीक्षाओं का आयोजन कर रहे हैं।

परीक्षाओं के परिणाम भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत सही तरीके से घोषित किए जा रहे हैं। आयोग की पूरी प्रक्रिया सॉफ्टवेयर आधारित है, जिसमें मानवीय हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं है। ऐसे में रिजल्ट में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं है। सचिव ने कहा कि परीक्षा परिणामों को लेकर आरोप लगाने वालों के पास यदि कोई तथ्य हैं, तो उन्हें सामने रखना चाहिए। बिना किसी ठोस तथ्य के आरोप लगाना उचित नहीं है। कुछ लोग या तो अपने माता-पिता को गुमराह कर रहे हैं या फिर किसी बाहरी उद्देश्य से ऐसा कर रहे हैं। ऐसे आरोपों का कोई आधार नहीं है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आयोग की प्राथमिकता अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करना है। इसी उद्देश्य के साथ आयोग लगातार कार्य कर रहा है और भविष्य में भी परीक्षाओं तथा परिणामों की शुद्धता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

फास्ट न्यूज

सनातनी संकल्प दिवस 13 को

लखनऊ। लखनऊ राष्ट्रीय हिंदू रक्षा परिषद की ओर से स्थापना दिवस के अवसर पर 13 सितंबर को 'सनातनी संकल्प दिवस' का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम रविवार को सुबह 10 बजे भागीदारी ऑडिटोरियम, विपिन खंड, गोमती नगर, लखनऊ में होगा। इस अवसर पर सनातन धर्म के मूल्यों एवं उद्देश्यों के प्रचार-प्रसार, धर्म प्रसार और सामाजिक समरसता के लिए संगठन के माध्यम से किए जा रहे कार्यों पर चर्चा की जाएगी।

अलीगढ़ में रिश्वत मांगने के आरोप में दरोगा सस्पेंड

अलीगढ़। अलीगढ़ में मुकदमे से नाबालिग आरोपी का नाम हटाने के एवज में रिश्वत मांगने के आरोप में दादों थाने में तैनात उपनिरीक्षक राकेश कश्यप को निलंबित कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर दरोगा की बातचीत का एक ऑडियो वायरल हुआ है। इसमें दरोगा और एक व्यक्ति के बीच रुपए के लेनदेन को लेकर बातचीत सुनाई दे रही है। ऑडियो वायरल होने के बाद पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया। एसएसपी नीरज जादौन के निर्देश पर उपनिरीक्षक राकेश कश्यप को शनिवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

मेरठ के होटल में भीषण आग लगी, जलकर खाक

मेरठ। मेरठ के परतापुर इलाके में अविका होटल में शनिवार सुबह अचानक आग लग गई। पार्किंग से शुरू हुई आग देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और होटल तक पहुंच गई। आग ने एक के बाद एक होटल के 12 कमरों को चपेट में ले लिया। आग की लपटें देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। लपटें बगल के इंडियन बैंक तक पहुंचने लगीं तो वहां भी अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

बेटा बोला- ठेले वाले ने सीने पर कई वार किए, पुलिस देखती तो मेरे पिता जिंदा होते

बाबा और पोते पर चाकू से हमला, बुजुर्ग की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बाबा-पोते पर एक कबाड़ी ठेले वाले ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। इसमें बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। पोता अपने बाबा को बाइक पर बैठाकर बिल जमा करने जा रहा था। रॉन्ग साइड से ठेला वाला आ रहा था। पोते ने जैसे ही उसे कहा कि इधर कहां चले आ रहे हो? इतना सुनते ही ठेला वाला गुस्सा हो गया। उसने चाकू से पोते पर हमला कर दिया। पीछे बैठे बाबा तुरंत बचाव करने के लिए बीच में आ गए। ठेले वाले ने पोते को छोड़ दिया और बाबा पर ही वार करना शुरू कर दिया। उसने सीने पर इतनी बार चाकू मारे की बुजुर्ग की मौत हो गई। बुजुर्ग के बेटे ने कहा- पुलिस देखती तो आज मेरे पिता इस दुनिया में जिंदा होते। यह कहते ही वह फफककर रोने लगे। वारदात मड़ियांव थाने के सामने फ्लाईओवर के नीचे की है। मगन बिहारी के बेटे प्रदीप तिवारी भी नगर निगम के जोन-2 में सुपरवाइजर हैं। उन्होंने बताया- मैं ऑफिस में था, तभी मां कॉल ने कॉल करके बताया कि पापा की तबीयत खराब है। हाईवे अस्पताल आ जाओ। मौके पर पहुंचकर पता चला कि किसी ने पापा को चाकू मारा है।

16 साल पहले नगर निगम से रिटायर हुए थे

बुजुर्ग भरतनगर के मगन बिहारी तिवारी थे। वह करीब 16 साल पहले 2010 में नगर निगम से रिटायर हुए थे। वह आरआर विभाग में सुपरवाइजर के पद पर थे। शनिवार की दोपहर करीब 1 बजे वह पोते संकल्प तिवारी के साथ बिल जमा करने पावर हाउस जा रहे थे। रास्ते में मड़ियांव थाने के सामने तिपहिया ठेले से आ रहे कबाड़ी से संकल्प की बहस हो गई। विवाद के दौरान कबाड़ी ने संकल्प पर चाकू से हमला कर दिया। पोते को बचाने के लिए मगन बिहारी आगे आ गए। कबाड़ी ने उन पर भी चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। उनके पेट और सीने में कई जगह चाकू घुस गया है। घटना के दौरान वहां पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

"मड़ियांव पुलिस ने बताया- प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया है कि 40 साल के राजकुमार उर्फ मलाई ने दोनों बाबा-पोते को चाकू से मारा। वह इस समय केशवनगर में मार्कंडेय धर्मशाला के आसपास रहता है। वह मोहल्लों में कबाड़ खरीदता है। पुलिस के अनुसार आरोपी कबाड़ी को पकड़ने के लिए टीमें लगा दी गई हैं। उसे गिरफ्तार कर हत्या की वजह पूछी जाएगी।

बदले वैश्विक समीकरणों में ऊर्जा सुरक्षा पर मंथन, नेट जीरो लक्ष्य पर जोर

एमआईटी में सतत ऊर्जा के भविष्य पर छह दिवसीय मंथन

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईटी मेरठ के रसायन विज्ञान विभाग की ओर से सात से 12 सितंबर तक "सस्टेनेबल फ्यूचर थ्रू नेट जीरो गोल्सः बिल्डिंग रेजिलिएंट एनर्जी रिसोर्सेज इन करंट जियोपॉलिटिकल टेंशंस" विषय पर छह दिवसीय एआईसीटीई प्रायोजित ऑफलाइन एटीएएल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन एमआईटी के निदेशक डॉ. केएलए खान, प्रोफेशनल कोर्सेज के प्रधानाचार्य डॉ. हिमांशु शर्मा, फार्मेसी के प्रधानाचार्य डॉ. नीरज कांत शर्मा और एमआईटी के डीन एकेडमिक्स डॉ. गौरव शर्मा ने किया। एफडीपी में मेरठ, गाजियाबाद, दिल्ली और नोएडा से करीब 50 शिक्षकों, शोधार्थियों और पीजी विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। विभिन्न शैक्षणिक एवं औद्योगिक विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को नेट जीरो लक्ष्यों, ऊर्जा संसाधनों और वैश्विक स्तर पर बदलती ऊर्जा जरूरतों की जानकारी दी। विशेषज्ञों ने सौर, पवन एवं समुद्री ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, बायो एनर्जी, ऊर्जा भंडारण, स्मार्ट ग्रिड, विकेंद्रीकृत ऊर्जा प्रबंधन, ई-मोबिलिटी एवं इंफ्रास्ट्रक्चर, सतत भवन निर्माण, नीति, वित्त एवं ईएसजी फ्रेमवर्क तथा भू-राजनीतिक तनावों के बीच स्थिरता से जुड़ी चुनौतियों पर व्याख्यान दिए। प्रतिभागियों को हैंड्स-ऑन अनुभव, औद्योगिक एक्सपोजर और शोध पत्रों के अध्ययन का अवसर भी मिला। एफडीपी में बीएससी केमिस्ट्री (ऑनर्स) के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। सीसीएसयू मेरठ के प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार शर्मा, एसवीपी-बीयूएटी मेरठ के प्रोफेसर डॉ. राजेश बिष्ट, सर्किल सीबीजी मेरठ के प्रोपराइटर अंकुर जग्गी, डीएक्ससी टेक्नोलॉजीज बेंगलुरु की प्रोजेक्ट मैनेजर मोनिका गोयल और एमआईटी मेरठ के प्रोफेसर डॉ. अंकुर गोयल ने विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञ व्याख्यान दिए।

लखनऊ में साहित्य और संस्कृति का महाकुंभ, गोमती पुस्तक महोत्सव-2026 का भव्य शुभारंभ

करीब 250 स्टॉलों पर मौजूद हैं 121 प्रकाशकों की हजारों पुस्तकें

- 12 से 20 सितंबर तक चलेगा नौ दिवसीय महोत्सव, साहित्यिक संवाद और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे आकर्षण
- महिला अस्मिता से अंतरिक्ष-विज्ञान तक पर होंगे संवाद, शुभांशु शुक्ला समेत कई हस्तियां करेंगी शिरकत
- हर शाम सजेगा यूपी की सांस्कृतिक विरासत का मंच, कथक, लोक प्रस्तुतियां, मुशायरा और दास्तानगोई

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को गोमती पुस्तक महोत्सव-2026 के पांचवें संस्करण का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महोत्सव का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत की ओर से आयोजित यह महोत्सव 12 से 20 सितंबर तक चलेगा। नौ दिवसीय महोत्सव में पुस्तक प्रदर्शनी के साथ साहित्यिक संवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बाल गतिविधियां, कार्यशालाएं और तकनीक से जुड़े आयोजन होंगे। योगी सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में पुस्तक संस्कृति, शिक्षा, साहित्य और ज्ञान के प्रसार को बढ़ावा देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के बीच यह महत्वपूर्ण आयोजन है। महोत्सव में लगभग 250 पुस्तक स्टॉल लगाए गए हैं। इनमें 121 प्रकाशक शामिल हैं। यहां हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, अवधी समेत विभिन्न भारतीय भाषाओं की हजारों पुस्तकें पाठकों के लिए उपलब्ध हैं। साहित्य, इतिहास, संस्कृति, जीवनी, कला, शिक्षा, आध्यात्मिकता और समकालीन विषयों से जुड़ी पुस्तकों का व्यापक संग्रह यहां देखने को मिल रहा है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के प्रोग्राम ऑफिसर नरेंद्र सिंह ने बताया कि एनबीटी करीब 70 भाषाओं में किताबें प्रकाशित कर रहा है और इसके संग्रह में लगभग 10 हजार पुस्तकें हैं। दिव्यांश पब्लिकेशन के प्रबंध निदेशक नीरज अरोड़ा ने बताया कि उनके स्टॉल पर कई विषयों पर पुस्तकें मौजूद हैं। यहां हिंद युग का भी स्टॉल लगाया गया है। राज कमल प्रकाशन के सीनियर सेल्स मैनेजर विनोद तिवारी ने बताया कि उनके पास हिंदी की करीब 5,000 पुस्तकें हैं। गोमती पुस्तक महोत्सव में प्रतिष्ठित लेखकों, विशेषज्ञों और विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों के साथ संवाद सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

960 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा, 50 श्रेष्ठ टीमों का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन

आईपीईसी में स्मार्ट इंडिया हैकथॉन-2026, 960 विद्यार्थियों ने दिखाया नवाचार

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी), गाजियाबाद में शनिवार को आंतरिक स्मार्ट इंडिया हैकथॉन-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 960 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और तकनीकी दक्षता, नवाचार, रचनात्मक सोच और टीमवर्क का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न सामाजिक, औद्योगिक और तकनीकी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर आधारित समाधान और कार्यशील प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए। हैकथॉन के दौरान विद्यार्थियों ने ऐसे तकनीकी समाधान पेश किए, जिनका उद्देश्य वास्तविक जीवन की समस्याओं को तकनीक के माध्यम से हल करना था। अलग-अलग टीमों ने अपनी परियोजनाओं के माध्यम से यह दिखाने का प्रयास किया कि तकनीकी शिक्षा को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय उसे समाज और उद्योग की जरूरतों से जोड़ा जा सकता है। प्रतियोगिता में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग, कृषि तकनीक, स्वास्थ्य तकनीक, हरित तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, ई-मोबिलिटी और स्मार्ट परिवहन जैसे क्षेत्रों पर आधारित परियोजनाएं प्रस्तुत की गईं। इसके अलावा साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन, रोबोटिक्स, ड्रोन तकनीक, शिक्षा, उद्योग-4.0, आपदा प्रबंधन, नागरिक सेवाएं, वित्तीय तकनीक और ओपन इनोवेशन से जुड़े प्रोजेक्ट भी विद्यार्थियों ने प्रदर्शित किए। हैकथॉन में प्रस्तुत परियोजनाओं का विशेषज्ञों की टीम ने विभिन्न मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया। विद्यार्थियों के तकनीकी समाधान, नवाचार, उपयोगिता, समस्या के समाधान की क्षमता और प्रोटोटाइप की कार्यक्षमता को ध्यान में रखते हुए श्रेष्ठ टीमों का चयन किया गया। मूल्यांकन के बाद 50 टीमों को श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए चुना गया। ये टीमें राष्ट्रीय स्तर की स्मार्ट इंडिया हैकथॉन प्रतियोगिता में संस्थान का प्रतिनिधित्व करने की दिशा में आगे बढ़ेंगी। आईपीईसी के उपाध्यक्ष पुनीत अग्रवाल ने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए लगातार प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को व्यवहारिक रूप देने का अवसर मिलता है और वे तकनीक के माध्यम से समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान की दिशा में काम कर सकते हैं।

वारदात : गोरखपुर में अकेले रहते थे, छोटा भाई अमेरिका में, पिता सिंचाई विभाग में अफसर थे

आईआईटी इंजीनियर की लाश 4 दिन फ्लैट में पड़ी रही

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में 45 साल के IIT इंजीनियर का शव उनके फ्लैट में मिला है। शुक्रवार सुबह बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर गई तो इंजीनियर का शव सोफे पर पड़ा था। पुलिस के मुताबिक, इंजीनियर अभिषेक त्रिपाठी का शव 3-4 दिन पुराना था। शादी नहीं की थी। वह फ्लैट में अकेले रहते थे। 4 साल पहले उनकी नौकरी छूट गई थी। अभिषेक का छोटा भाई अमेरिका में IT इंजीनियर है। पिता सभा त्रिपाठी सिंचाई विभाग में एक्सईएन पद से रिटायर्ड थे। मामला सहारा एस्टेट के मल्हार अपार्टमेंट का है। भाई की मौत की जानकारी मिलते ही छोटा भाई अंबरीष अमेरिका से गोरखपुर के लिए रवाना हो गया है। उसके आने के बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा। अभिषेक त्रिपाठी के माता-पिता की मौत हो चुकी है। नौकरी छूटने के बाद वह मानसिक परेशानी से जूझ रहे थे। अभिषेक के बड़े भाई आशुतोष बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सुरक्षा गार्ड थे। उनकी 2014 में चेन्नई में बीमारी के कारण मौत हो गई थी। बहन गुड़िया पति के साथ गोरखपुर में रहती हैं। फिलहाल, पोस्टमार्टम में भी मौत की वजह पता नहीं चली है। बहन ने बताया- बीमारी के कारण अभिषेक के व्यवहार में बदलाव आ गया था। वह कभी-कभी लोगों से अभद्र भाषा में बात कर देते थे। इसका असर रिश्तों पर पड़ा। रिश्तेदारों-परिचितों का आना-जाना कम हो गया। छोटा भाई अंबरीष पैसे भेजता था, उसी से अभिषेक का खर्च चलता था। मैं और अंबरीष समय-समय पर उससे मिलने आते थे। पड़ोसियों के मुताबिक, अभिषेक अकेले पड़ गए थे। वह ज्यादातर कमरे में ही रहते और किसी से ज्यादा बात नहीं करते थे। 3-4 दिनों से वह दिखाई नहीं दिए थे। शुक्रवार को फ्लैट से बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर उनका शव मिला। सीओ कीर्ति निधि आनंद ने बताया- अभिषेक 3-4 दिन से फ्लैट से बाहर नहीं निकले थे। दरवाजा अंदर से बंद था। मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

मल्टीनेशनल कंपनी की नौकरी छूटी तो डिप्रेशन में चले गए

घटना के बाद मौके पर पहुंची गुड़िया उर्फ अर्चना ने बताया- पिता मूल रूप से कुशीनगर के महासोन गांव के रहने वाले थे, लेकिन गोरखपुर में सिंचाई विभाग में तैनात थे। इसलिए हम लोगों की पढ़ाई-लिखाई यहीं हुई। 16 साल पहले पिता का निधन हो गया। इसके 3 साल बाद मां भी हम लोगों को छोड़कर चली गईं। भाई अभिषेक पढ़ने में होनहार था। उसने IIT से इंजीनियरिंग की और नोएडा की मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी की। कोरोना काल में वर्क फ्रॉम होम के चलते गोरखपुर आ गया। 4 साल पहले नौकरी छूट गई। इसके बाद वह परेशान रहने लगा और धीरे-धीरे डिप्रेशन में चला गया। परिवार ने लखनऊ में उसका इलाज कराया, लेकिन परेशानी पूरी तरह खत्म नहीं हुई।

बीजेपी राष्ट्रीय महामंत्री संगठन आज से 2 दिन कानपुर में

124 मंडल अध्यक्षों को देंगे चुनावी रणनीति के टिप्स

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष आज से दो दिवसीय कानपुर प्रवास पर रहेंगे। 12 और 13 सितंबर को होने वाली बैठकों में वह कानपुर कमिश्नरी के 8 जिलों के संगठन पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों और बूथ अध्यक्षों के साथ सीधे संवाद करेंगे। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिहाज से उनके इस प्रवास को अहम माना जा रह है। बीएल संतोष आज शाम करीब 4 बजे कानपुर पहुंचेंगे। इसके बाद होटल लैंडमार्क में सांसद, राज्यसभा सदस्य, विधायक, विधान परिषद सदस्य, जिला अध्यक्ष और जिला प्रभारियों के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में संगठन की मौजूदा स्थिति, जनप्रतिनिधियों की भूमिका और आगामी चुनाव की तैयारियों पर चर्चा होगी। संगठन को बूथ स्तर तक और मजबूत करने को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए जा सकते हैं। 13 सितंबर को सुबह 10 बजे कानपुर कमिश्नरी के 8 जिलों के 124 मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक होगी। इसमें क्षेत्रीय पदाधिकारी और संबंधित जिलों के जिला अध्यक्ष भी मौजूद रहेंगे।

बीएल संतोष मंडल स्तर पर संगठन की सक्रियता, बूथ प्रबंधन, कार्यकर्ताओं की भूमिका और चुनावी तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों को टिप्स देंगे। बैठक में संगठन की आगामी कार्ययोजना को लेकर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश देंगे। सुबह 11 बजे विधानसभा से लेकर जिला स्तर तक सोशल मीडिया से जुड़े संयोजकों के साथ बैठक होगी। इसमें पार्टी के अभियानों और संगठन की गतिविधियों को सोशल मीडिया के जरिए बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा होगी। दोपहर 12 बजे एस्सल पैलेस में बीएल संतोष गोविंद नगर विधानसभा के बूथ अध्यक्षों के साथ सीधा संवाद करेंगे। इस दौरान बूथ संगठन की सक्रियता, मतदाता संपर्क, बूथ समितियों की भूमिका और चुनावी दृष्टि से बूथ को मजबूत करने की रणनीति पर चर्चा होगी।

परिजनों ने शव रखकर लगाया जाम, ठेकेदार पर लगाया लापरवाही का आरोप

कॉलेज की दीवार गिरने से मजदूर की मौत

आक्रोश

तमासा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के गोवर्धन कस्बे में स्थित राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में निर्माण और सुंदरीकरण कार्य के दौरान हुए हादसे में मजदूर की मौत के बाद शनिवार को आक्रोश भड़क उठा। मृतक मजदूर का शव लेकर परिजन और ग्रामीण राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के मुख्य द्वार पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने शव को गेट के सामने रखकर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान प्रशासन और ठेकेदार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। परिजनों ने मृतक के परिवार के भरण-पोषण के लिए उचित मुआवजा और हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। गोवर्धन

पंकज की मौत के बाद परिजन आक्रोशित हो गए उन्होंने गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में स्थित राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के गेट के बाहर शव रखकर जाम लगा दिया

कस्बे में स्थित राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के मुख्य मार्ग पर निर्माण एवं सुंदरीकरण का कार्य कराया जा रहा है। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि यह कार्य मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की देखरेख में ठेकेदार के माध्यम से कराया जा रहा था और निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई। इसी कथित लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ।

इलाज के दौरान हुई मौत

शुक्रवार सुबह करीब दस बजे मजदूर निर्माण कार्य में जुटे हुए थे। इसी दौरान कॉलेज के मुख्य द्वार का छज्जा अचानक भरभरा कर नीचे गिर गया। छज्जे के मलबे की चपेट में आने से राजस्थान के भरतपुर जिले के तालफरा गांव निवासी पंकज पुत्र रामवीर और अड़ींग निवासी लाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों घायलों को उपचार के लिए गोवर्धन अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए दोनों को आगरा रेफर कर दिया गया। आगरा में उपचार के दौरान पंकज की मौत हो गई।

इलाज के दौरान पंकज की मौत हो गई थी।

प्रशासन पर लगाया आरोप

मृतक के परिजनों ने एक और गंभीर आरोप लगाया। उनका कहना है कि हादसा सुबह करीब दस बजे हुआ, लेकिन परिवार को घटना की सूचना शाम करीब चार बजे दी गई। सूचना देने में हुई देरी को लेकर परिजनों में खासा आक्रोश है। उन्होंने पूरे मामले की जांच कराने और सूचना देने में देरी के लिए जिम्मेदार लोगों की भूमिका तय करने की मांग की। पंकज अपने पीछे पत्नी, छह वर्षीय बेटा और तीन वर्षीय बेटी छोड़ गया है। परिवार का कहना है कि पंकज ही परिवार की आजीविका का मुख्य सहारा था। उसकी मौत के बाद पत्नी और छोटे बच्चों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने, हादसे की निष्पक्ष जांच कराने, जिम्मेदार अधिकारियों और निर्माण एजेंसी की भूमिका की जांच करने तथा पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि निर्माण स्थल पर मजदूरों की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे। उनका कहना है कि यदि सुरक्षा मानकों का पालन किया जाता, तो हादसे को रोका जा सकता था। शव को राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के मुख्य द्वार पर रखकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया।

मनचले ने युवती पर 15 बार चाकू से वार किया

आगरा में परिवार दहशत में, शोहदे के डर से घर बेचने को मजबूर

तमासा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के शास्त्रीपुरम के जेसीबी चौराहे पर बुधवार को 19 वर्षीय युवती पर हुए जानलेवा हमले के बाद अब उसका परिवार दहशत में है। परिजनों का कहना है कि आरोपी ने युवती पर करीब 15 जगह चाकू से वार किए। हालत गंभीर होने पर उसके फेफड़े का ऑपरेशन करना पड़ा। युवती अभी आईसीयू में भर्ती है। परिवार को डर है कि आरोपी या उसके परिजन दोबारा हमला कर सकते हैं। इसी डर से अब परिवार अपना घर बेचकर दूसरी जगह किराए पर रहने की तैयारी कर रहा है। युवती के मुताबिक वह बुधवार को अपने ऑफिस जा रही थी। तभी शास्त्रीपुरम के जेसीबी चौराहे के पास कॉलोनी में रहने वाले ओमकार ने उसे रोक लिया। वह लगातार उसे अपने साथ चलने के लिए कह रहा

था। विरोध करने पर पहले उसने उसका गला दबाया और मारपीट की। युवती ने जब अपना बचाव किया तो आरोपी ने चाकू से हमला कर दिया। युवती ने बताया कि उसने आरोपी से कहा था कि वह अपने पापा को बुला लेगी और पूरी बात बता देगी। इस पर आरोपी ने कथित तौर पर कहा, "जब तू जिंदा बचेगी तभी तो कुछ बता पाएगी।" इसके बाद उसने पहले गले और फिर पीठ पर कई वार किए। युवती के मामा का कहना है कि आरोपी ने युवती पर करीब 15 जगह चाकू से वार किए।

फास्ट न्यूज

तेंदुओं को पकड़ने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन

मुरादाबाद। मुरादाबाद में तेंदुओं की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग ने ठाकुरद्वारा और कांठ तहसील के संवेदनशील गांवों में रेस्क्यू और जन-जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। जिले के 40 तेंदुआ प्रभावित गांवों में अब तक 49 पिंजरे लगाए गए हैं। तेंदुओं की मौजूदगी और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 40 ट्रैप कैमरे भी लगाए गए हैं। वन विभाग की रेस्क्यू टीम संवेदनशील इलाकों में दिन-रात निगरानी कर रही है।

मथुरा में 270 सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाईं

मथुरा। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी द्वारा सीएसआर पहल के अंतर्गत मथुरा के विभिन्न स्थानों पर 270 सोलर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना की है। इन सोलर स्ट्रीट लाइटों का उद्घाटन सांसद हेमा मालिनी द्वारा किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर पर मुकुल अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक एवं मथुरा रिफाइनरी प्रमुख, अनिल कुमार, मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन,अभिनव गोस्वामी, महाप्रबंधक कर्मचारी सेवाएं, विवेक शर्मा, एवं सीएसआर तथा दीपक कुमार साह, सीएसआर उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पुस्तक मेले में कवि सम्मेलन

आगरा। आगरा कॉलेज के सप्रू हॉस्टल परिसर में चल रहे दस दिवसीय राष्ट्रीय पुस्तक मेले में गुरुवार शाम अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। देश के विभिन्न हिस्सों से आए कवियों और कवयित्रियों ने प्रेम, रिश्तों, सामाजिक विसंगतियों और मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी रचनाएं प्रस्तुत कीं। काव्य पाठ के दौरान परिसर कई बार तालियों से गूंज उठा।

बीबीए छात्र निलंबित, 10 कमरे सील, हॉस्टलों में बाहरी लोगों की तलाश शुरू

एएमयू के वीएम हॉल में ब्लैकमेलिंग का मामला

तमासा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (AMU) के वीएम हॉल में सोशल नेटवर्किंग ऐप के जरिए लोगों को फंसाकर ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने हॉस्टलों की सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी है। शुक्रवार देर रात प्रॉक्टर कार्यालय की टीमों ने कैंपस के अलग-अलग हॉस्टलों में तलाशी अभियान चलाया। वीएम हॉल के 10 कमरे संदिग्ध गतिविधियों के शक में सील किए गए हैं। मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी शहजिल की पहचान AMU के BBA छात्र के रूप में हुई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने उसे निलंबित कर दिया है।

छह महीने से चल रही थीं गतिविधियां

इस मामले में विश्वविद्यालय की CCTV व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। हॉस्टलों में लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग करीब एक सप्ताह तक ही सुरक्षित रहने की बात सामने आई है। जबकि पुलिस के मुताबिक, वीएम हॉल में संदिग्ध गतिविधियां करीब छह महीने से चल रही थीं। ऐसे में सवाल है कि लंबे समय तक चल रही गतिविधियों की जानकारी सुरक्षा तंत्र को क्यों नहीं हुई। सात दिन बाद फुटेज अपने आप डिलीट होने की स्थिति में पुराने घटनाक्रम की जांच भी मुश्किल हो सकती है। प्रशासन अब CCTV और हॉस्टलों में प्रवेश की व्यवस्था की समीक्षा कर रहा है।

बीबीए छात्र को हॉस्टल आवंटित नहीं हुआ था

प्रॉक्टर प्रो. मोहम्मद नावेद ने बताया कि शहजिल BBA का छात्र है और मूल रूप से पीलीभीत का रहने वाला है। उसे वीएम हॉल आवंटित था, लेकिन हॉल में उसके नाम कोई कमरा आवंटित नहीं हुआ था। मामला सामने आने के बाद उसे निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि संदिग्ध गतिविधियों के शक में वीएम हॉल के 10 कमरे सील किए गए हैं। पूरे कैंपस के हॉस्टलों में बाहरी लोगों की पहचान के लिए तलाशी अभियान चलाया गया है। आगे हॉस्टलों में आने-जाने वाले लोगों की निगरानी और सख्त की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

66 मामले में नामजद अन्य आरोपियों की पहचान और उनकी भूमिका की जांच शुरू कर दी गई है। इनमें भोला नाम का आरोपी कासगंज का हिस्ट्रीशीटर बताया जा रहा है। अब जांच इस बात पर भी केंद्रित है कि वह एएमयू परिसर में किसके संपर्क या संरक्षण में रह रहा था। उसकी मौजूदगी और आरोपी छात्र से संबंधों की भी पड़ताल की जा रही है।

विश्व ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में बरेली कॉलेज में तीन दिवसीय कार्यक्रम

तमासा संकेत, संवाददाता

बरेली। पर्यावरण संरक्षण और विद्यार्थियों में ओजोन परत के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली द्वारा Environment, Agriculture & Education Society (EAES), Bareilly के सहयोग से विश्व ओजोन दिवस 2026 के उपलक्ष्य में 14 से 16 सितंबर 2026 तक तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस की थीम "Global Action for a Cooler Planet" पर आधारित विभिन्न जागरूकता एवं रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम का आयोजन बरेली कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओ.पी. राय एवं उप-प्राचार्य प्रो. वंदना शर्मा के मार्गदर्शन एवं सहयोग से किया जा रहा है।

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को ओजोन परत के संरक्षण, वायुमंडलीय पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन तथा पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उनकी रचनात्मक एवं अभिव्यक्ति क्षमता को मंच प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम में कक्षा 1 से स्नातकोत्तर स्तर तक के विद्यार्थियों को उनकी आयु एवं शैक्षणिक स्तर के अनुसार विभिन्न प्रतियोगिताओं में सहभागिता का अवसर मिलेगा। तीन दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिन 14 सितंबर को भाषण एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। द्वितीय दिन 15 सितंबर को पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग एवं शॉर्ट वीडियो प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

वहीं 16 सितंबर को कार्यक्रम के अंतिम दिन हिंदी कवि सम्मेलन तथा स्किट/डांस जैसी सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। एम.एससी. एवं एम.ए. के विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी पोस्टर मेकिंग एवं भाषण प्रतियोगिता तथा कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थी पोस्टर मेकिंग एवं स्किट/डांस प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। हिंदी कवि सम्मेलन सभी विद्यार्थियों के लिए खुला रहेगा।

प्रतियोगिताओं का आयोजन हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को अपनी सुविधा के अनुसार प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल सके।

दिल्ली-एनसीआर में निसान का विस्तार, गाजियाबाद में नया फ्लैगशिप शोरूम और वर्कशॉप शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

गाजियाबाद। निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएम-आईपीएल) ने दिल्ली-एनसीआर में अपने रिटेल और सर्विस नेटवर्क का विस्तार करते हुए गाजियाबाद में नए फ्लैगशिप ड्रीम निसान शोरूम और वर्कशॉप का उद्घाटन किया। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर स्थापित यह अत्याधुनिक डीलरशिप क्षेत्र के ग्राहकों को बेहतर सेल्स, सर्विस और आफ्टर-सेल्स सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। उद्घाटन के अवसर पर निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि कंपनी के हर निर्णय के केंद्र में ग्राहक हैं। गाजियाबाद में नया फ्लैगशिप ब्रांड स्टोर ग्राहकों के लिए बिक्री और सर्विस को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने कर्मचारियों, डीलर पार्टनर्स, नेटवर्क, डेटा क्षमताओं और ग्राहक-केंद्रित प्लेटफॉर्म में लगातार निवेश

कर रही है, ताकि ग्राहकों को बेहतर सेल्स और सर्विस अनुभव दिया जा सके। ड्रीम निसान के डीलर प्रिंसिपल वरुण गुप्ता ने कहा कि गाजियाबाद में नई डीलरशिप के माध्यम से दिल्ली-एनसीआर में निसान की पहुंच को मजबूत करने का अवसर कंपनी के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि डीलरशिप ग्राहकों को विश्वस्तरीय रिटेल और सर्विस अनुभव देने के साथ बेहतर सेल्स एवं आफ्टर-सेल्स सपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। नई डीलरशिप में 3,300 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्रफल में आधुनिक शोरूम तैयार किया गया है, जिसमें एक साथ पांच कारों को प्रदर्शित करने की क्षमता है। वहीं, 15,000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्रफल में पूरी तरह सुसज्जित सर्विस वर्कशॉप में 12 सर्विस बे बनाए गए हैं। यहां ग्राहकों को सेल्स, सर्विस और स्पेयर पार्ट्स से जुड़ी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी।

कंपनी के मुताबिक, यह डीलरशिप सितंबर में दिल्ली-एनसीआर में खोले जा रहे 13 नए टचपॉइंट्स में से एक है। निसान के ग्लोबल रिटेल स्टैंडर्ड्स के अनुरूप तैयार इस आउटलेट में आधुनिक सुविधाओं के साथ प्रशिक्षित और अनुभवी सेल्स एवं सर्विस प्रोफेशनल्स की टीम तैनात की गई है। कंपनी का लक्ष्य ग्राहकों को प्रीमियम ऑनरशिप अनुभव के साथ बेहतर वैल्यू उपलब्ध कराना है। निसान का यह विस्तार ऐसे समय में हुआ है जब कंपनी भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने पर जोर दे रही है। कंपनी के अनुसार, नई निसान मैग्नाइट की सफलता ने भारत में उसके विकास को गति दी है

खटीक गर्जना सम्मेलन में करेंगे शिरकत, सांसद-विधायक भी आएंगे

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह आज आगरा आएंगे, 3 घंटे रुकेंगे

- राव कृष्णपाल सिंह सभागार के बाहर सम्मेलन को लेकर लगे होर्डिंग।
- कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में 13 सितंबर को खटीक गर्जना सम्मेलन होने जा रहा है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर भाग लेंगे। वे लगभग 2 घंटा कार्यक्रम में रुकेंगे। इसके बाद कार्यक्रम संयोजक हेमंत चलनीवाले के निवास भी जाएंगे। कार्यक्रम को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अखिल

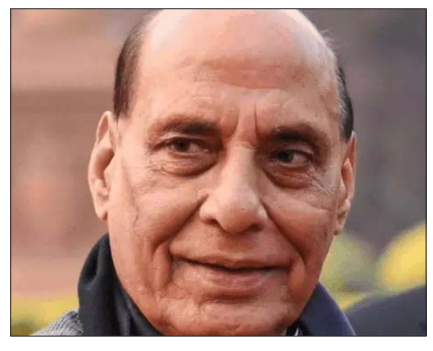

भारतीय खटीक समाज की ओर से मंडल स्तरीय खटीक गर्जना सम्मेलन का आयोजन खंदारी स्थित राव कृष्णपाल सिंह सभागार में होगा। सम्मेलन में राजनीतिक भागेदारी, सामाजिक एकजुटता और आगामी चुनावों को लेकर खटीक समाज की भूमिका पर मंथन होगा। कार्यक्रम संयोजक व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हेमंत व आयोजक संजीव चक ने बताया, 13 सितंबर को होने वाले खटीक गर्जना सम्मेलन में मुख्य अतिथि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, विशिष्ट अतिथि सामाजिक न्याय और आधिकारिक मंत्री वीरेंद्र खटीक, संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया, सांसद डा. भोला सिंह और जलशक्ति राज्यमंत्री दिनेश खटीक होंगे। कार्यक्रम के मुताबिक रक्षामंत्री राजनाथ सिंह रविवार को सुबह लगभग 11 बजे कार्यक्रम में पहुंचेंगे।

इन जिलों से आएंगे लोग

सम्मेलन में आगरा ही नहीं, मथुरा, फिरोजाबाद, एटा, हाथरस आदि जिलों के भी खटीक समाज के लोग आएंगे। रामतीरथ, गौरव चक, गुड्डू मेनन, सुनील चक आदि तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। कार्यक्रम के समापन के बाद रक्षामंत्री हेमंत चलनीवाले के यहां दोपहर के भोजन पर जाएंगे। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए राजनाथ सिंह के इस कार्यक्रम को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस सम्मेलन के माध्यम से भाजपा आगरा मंडल में खटीक समाज पर अपनी पकड़ को और मजबूत करना चाहती है।

पृष्ठ 01 का शेष...

'किताबें देती हैं ...

छात्रों ने 'फीस वृद्धि वापस लो' और 'बंद हुए स्कूलों को चालू करो' के नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान NSUI के अहमद रजा समेत कई छात्रों को पुलिस ने हिरासत में लिया। अहमद रजा ने कहा कि बंद किए गए स्कूलों को दोबारा शुरू करना और लखनऊ विश्वविद्यालय में बढ़ी फीस वापस लेना उनकी प्रमुख मांग है। संदीप सिंह ने डिजिटल दौर में बढ़ते स्क्रीन टाइम पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि तकनीक जरूरी है, लेकिन नई पीढ़ी का किताबों से दूर होना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, स्क्रीन हमें दुनिया दिखाती है, लेकिन पुस्तकें हमें दुनिया समझने की ताकत देती हैं। उन्होंने युवाओं से स्क्रीन टाइम कम करने और किताबें पढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश के इतिहास, साहित्य और राजनीति से जुड़ी किताबें पढ़ने से भारत और उसकी संस्कृति को समझने की क्षमता मजबूत होगी। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा लखनऊ साहित्य, संस्कृति और कला की समृद्ध परंपरा का केंद्र रहा है। नौ दिवसीय गोमती पुस्तक महोत्सव नई पीढ़ी को किताबों, साहित्य और संस्कृति से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। प्रारंभिक शिक्षा ज्ञान की यात्रा की पहली सीढ़ी है और इसमें पुस्तक सबसे सहज व सशक्त साथी है। किताबें बच्चों में ज्ञान के साथ विचार, संस्कार, जिज्ञासा और कल्पनाशक्ति विकसित कर उनके व्यक्तित्व निर्माण में अहम भूमिका निभाती हैं। सभी मंत्रियों का स्वागत किया गया, लेकिन बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के स्वागत में चूक हो गई। उनके स्वागत से पहले मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी का स्वागत किया गया। मंच पर अध्यक्ष मिलिंद मराठी सभी अतिथियों का स्वागत कर रहे थे। लखनऊ विश्वविद्यालय में सीएम योगी के कार्यक्रम से पहले समाजवादी छात्र सभा और NSUI के पदाधिकारियों और सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में लिया। शनिवार को सीएम योगी विश्वविद्यालय में होने वाले पुस्तक मेले का उद्घाटन करेंगे। विरोध की आशंका को देखते हुए पुलिस ने यह कार्रवाई की। NSUI और समाजवादी छात्र सभा के सदस्यों को पुलिस देर रात हॉस्टल से हिरासत में लेकर गई। समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र यादव ने बताया कि पुलिस उन्हें रात करीब ढाई बजे हॉस्टल से जबरन हिरासत में ले गई। पिछले साल के मुकाबले इस बार स्टॉल की संख्या भी बढ़ाई गई है। पिछले आयोजन में करीब 225 स्टॉल लगाए गए थे। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के निदेशक युवराज मलिक ने बताया कि बच्चों और जेनजी को ध्यान में रखते हुए हर दिन अलग-अलग गतिविधियां और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। नन्हे पुस्तक प्रेमियों के लिए नेशनल सेंटर फॉर चिल्ड्रेन्स लिटरेचर की ओर से नौ दिनों के लिए विशेष बाल मंडप तैयार किया गया है। इसमें अलग-अलग आयु वर्ग के बच्चों के लिए कठपुतली शो, नाटक और स्टोरीटेलिंग जैसी गतिविधियां होंगी। इसके अलावा वैदिक गणित, माइंडफुलनेस, क्ले आर्ट, पुस्तक निर्माण, कविता पाठ, मंडला आर्ट और रचनात्मक लेखन की कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी। बाल मंडप में बच्चों के लिए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के साथ विशेष संवाद सत्र भी होगा। आयोजन समिति के वरिष्ठ संयोजक चंद्र प्रकाश ने कहा कि पुस्तकें एआई का एंटीडोट हैं। इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री हमेशा पुष्ट या प्रमाणित नहीं होती, ऐसे में केवल एआई के सहारे सही ज्ञान हासिल करना उचित नहीं है। लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रधान पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. रोली मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में इतने बड़े स्तर पर पुस्तक महोत्सव का आयोजन महत्वपूर्ण अवसर है। महोत्सव में प्रकाशकों के साथ डिस्ट्रीब्यूटर्स भी शामिल होंगे।

बंगाल सरकार ...

अधिकारी ने तब कहा था, "मोबाइल फोन का स्कूली बच्चों पर बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। यह एक कठिन फैसला होगा और इससे मुझे वोटों का नुकसान हो सकता है।" उन्होंने कहा था, "गुजरात में कक्षा 12 तक के छात्रों के लिए मोबाइल फोन पर रोक है। माता-पिता के सोने के बाद भी छात्र जागते रहते हैं और मोबाइल देखते रहते हैं।" उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम जैसे कई राज्य छात्रों को मुफ्त स्मार्टफोन, टैबलेट या लैपटॉप खरीदने के लिए आर्थिक मदद दे रहे हैं। यूपी में 'स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना' और तमिलनाडु में मुफ्त गैजेट योजना इसके उदाहरण हैं। इन योजनाओं से गरीब छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और डिजिटल स्किल सीखने में बड़ी मदद मिली है। इससे छात्रों के बीच डिजिटल अंतर कम हुआ है, हालांकि खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी और डिजिटल ट्रेनिंग की कमी जैसी चुनौतियां भी देखी गई हैं।

जोमैटो ने ग्राहकों ...

यानी अब आपको खाने के साथ-साथ पैकेजिंग, डिलीवरी, प्लेटफॉर्म और कैश में भुगतान करने तक के अलग से पैसे देने होंगे। हालांकि, स्विगी ने फिलहाल ऐसा कोई चार्ज लागू नहीं किया है। जोमैटो पर हर दिन करीब 23 से 25 लाख ऑर्डर किए जाते हैं। अगर सिर्फ 5 रुपए का छोटा सा एक्स्ट्रा चार्ज भी लगाया जाए, तो कंपनी को हर दिन 1.25 करोड़ रुपए तक की ज्यादा कमाई हो सकती है। भले ही सभी ग्राहक कैश ऑन डिलीवरी का विकल्प न चुनें, फिर भी इस फैसले से जोमैटो का मुनाफा सालाना सैकड़ों करोड़ रुपए बढ़ जाएगा। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स की ओर से ऑर्डर पर अलग-अलग शुल्क जोड़ने का सिलसिला नया नहीं है। अप्रैल 2023 में जोमैटो और स्विगी ने सिर्फ 2 प्लेटफॉर्म फीस से शुरुआत की थी, जो अब बढ़कर 14.99 प्रति ऑर्डर (प्लस 18% GST) हो चुकी है। दिखने में यह 2 से 15 का चार्ज छोटा लगता है, लेकिन ई-कॉमर्स और फूड डिलीवरी कंपनियां इन छोटे चार्जेस से ही सालाना 3,500 से 4,000 करोड़ की मोटी कमाई कर लेती हैं। जोमैटो का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब देश के क्विक-कॉमर्स और फूड-डिलीवरी सेक्टर में मुकाबला काफी तेज हो गया है। रैपिडो का 'ओनली' प्लेटफॉर्म और फ्लिपकार्ट का नया 'ईट इन' सर्विस इस मार्केट में कदम रख रहे हैं। इसके अलावा स्विश जैसी नई स्टार्टअप कंपनियों ने भी हाल ही में नई फंडिंग हासिल की है, जिससे जोमैटो और स्विगी जैसी स्थापित कंपनियों पर अपनी प्रॉफिटेबिलिटी बढ़ाने का दबाव और बढ़ गया है।

मोदी-जिनपिंग के ...

हालांकि हमारे दोनों देशों की राष्ट्रीय परिस्थितियां अलग हैं, फिर भी हम एक-दूसरे की खूबियों से पूरी तरह सीख सकते हैं, एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं। जिनपिंग करीब 7 साल बाद भारत आए हैं। गलवान झड़प के बाद यह उनका पहला भारत दौरा है। जिनपिंग के भारत पहुंचने से पहले चीन ने स्टेटमेंट जारी कर कहा था कि हम भारत के साथ बातचीत बढ़ाकर और आपसी मतभेदों को सुलझाकर काम करने के लिए तैयार हैं। जिनपिंग इससे पहले 11 अक्टूबर 2019 को भारत आए थे। 15 जून 2020 को गलवान झड़प हुई थी। इसके बाद भारत-चीन रिश्तों में तनाव बढ़ा, लेकिन कारोबार नहीं रुका। 2020-21 में चीन से भारत का आयात करीब 65 अरब डॉलर था, जो 2025-26 में बढ़कर 132 अरब डॉलर से ज्यादा हो गया। यानी गलवान झड़प के बाद चीन से आयात दोगुना हो गया है। 2019 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का तमिलनाडु के ऐतिहासिक तटीय शहर मामल्लपुरम (महाबलीपुरम) में पीएम मोदी ने स्वागत किया था। दोनों नेताओं ने पंच रथ और शोर मंदिर जैसे प्राचीन स्मारकों का भ्रमण करते हुए द्विपक्षीय संबंधों पर अनौपचारिक बातचीत की थी। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार घाटे को कम करने, आपसी विश्वास बढ़ाने और सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए उच्च स्तरीय तंत्र स्थापित करने पर सहमति बनी थी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग सितंबर 2014 में अपनी भारत यात्रा के दौरान सबसे पहले गुजरात के अहमदाबाद पहुंचे थे।

एशियन गेम्स से बाहर किए जाने पर भावुक हुई भारतीय खिलाड़ी, बोलीं- ये मेरा आखिरी वीडियो

‘मां-पापा माफ करना मरने की बात कर रही हूं’

घोषणा

टोक्यो, एजेंसी

जापान में 19 सितंबर से शुरू हो रहे एशियन गेम्स के लिए भारतीय वुशु टीम की घोषणा 23 जून को कर दी गई थी। हालांकि, खेल मंत्रालय ने 11 सितंबर को एक अपडेट जारी किया, जिसमें पहले से घोषित टीम की मेंबर दिव्यांशी चौधरी को बाहर कर नाओरेम रोशिबीना देवी को शामिल कर लिया गया है। इसके बाद दिव्यांशी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह रोते हुए कह रही हैं कि उन्हें गलत तरीके से टीम से बाहर कर दिया गया है। राजस्थान के कोटा की रहने वाली

एशियन गेम्स से नाम हटने के बाद दिव्यांशी चौधरी ने वीडियो शेयर किया।

दिव्यांशी ने करीब 9 मिनट के वीडियो में वुशु फेडरेशन पर कई सवाल उठाए हैं। वीडियो में दिव्यांशी रोती नजर आ रही हैं और वे कह रही हैं- मां-पापा माफ करना, सुसाइड की बात कर रही हूं। अंत में उन्होंने घर की छत की ओर कैमरा किया और कहा कि यह उनका आखिरी वीडियो है। दिव्यांशी ने कहा कि उन्हें एशियन गेम्स के लिए भारतीय जर्सी भी दे दी गई थी। लेकिन, आखिरी वक्त में उनका नाम काट दिया गया।

दिव्यांशी का दावा है कि जून में हुए एशियन गेम्स के फाइनल सिलेक्शन ट्रायल में उन्होंने 60 किग्रा वर्ग में दो बार की एशियन गेम्स मेडलिस्ट रोशीबीना देवी को हराया था।

नाओरेम रोशिबीना देवी ने एशियन गेम्स 2022 में सिल्वर मेडल जीता था। दिव्यांशी ने वूशु ट्रायल में उन्हीं को हराने की बात कही है।

“जितेंद्र सिंह का कहना है दिव्यांशी जिस रिपोर्ट के आधार पर खुद को फिट बता रही हैं वह निजी डॉक्टर की है। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की अलग मेडिकल रिपोर्ट है। इसके मुताबिक दिव्यांशी पूरी तरह फिट नहीं है। एशियन गेम्स में मेडल जीतना हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य है, इसलिए अनफिट खिलाड़ी को नहीं भेजा सकता था।

फेडरेशन कह रहा चोटिल, दिव्यांशी ने खुद को फिट बताया

वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने इस बारे में पूछे जाने पर बताया कि दिव्यांशी चोटिल हैं। उन्हें एशियन गेम्स में नहीं भेजा जा रहा है।

दिव्यांशी का कहना है कि एशियन गेम्स की तैयारी के लिए श्रीनगर में 10 दिन का कैंप हुआ था। इसी दौरान रोशीबीना के साथ मुकाबले में उनके कंधे में चोट लगी थी। चोट के कारण उन्होंने 4-5 दिन अभ्यास नहीं किया, लेकिन बाद में रिकवर होकर दोबारा खेला। इसके बाद वह इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भी गईं। दिव्यांशी ने बताया कि उन्होंने डॉक्टर को चोट दिखाई थी। डॉक्टर ने उन्हें टेपिंग के साथ खेलने की सलाह दी थी। वह यह भी कहती हैं कि उनकी MRI रिपोर्ट कोच और फेडरेशन के पास थी और डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन में उन्हें खेलने के लिए सक्षम बताया गया था।

श्रीलंका लगातार दूसरी बार विमेंस एशिया कप के फाइनल में

रविवार को भारत से होगा खिताबी मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका ने लगातार दूसरी बार महिला एशिया कप के फाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को दुबई में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में टीम ने पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया। दुबई में पाकिस्तान के 130/5 के जवाब में श्रीलंका ने 18.4 ओवर में 6 विकेट पर 134 रन बनाकर जीत दर्ज की। अब रविवार को फाइनल में उसका सामना भारतीय महिला टीम से होगा। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 36 गेंदों पर 47 रन बनाए और गेंदबाजी में 38 रन देकर 4 विकेट लिए। वह प्लेयर ऑफ द मैच भी रहीं। हालांकि, उनका यह प्रदर्शन पाकिस्तान को जीत दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं था। हार के बाद फातिमा मैदान पर ही भावुक होकर रो पड़ीं।

131 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही। फातिमा सना ने अपने पहले ही स्पेल में कप्तान चमारी अथापत्तू (1) और विशमी गुणरत्ने (0) को आउट कर दिया।

10वें ओवर तक श्रीलंका ने 33 रन पर 4 विकेट गंवा दिए। पाकिस्तान की गेंदबाजी के सामने रन बनाना मुश्किल हो रहा था और श्रीलंका पर दबाव बढ़ता जा रहा था। ऐसे समय में हर्षिता समरविक्रमा और कविशा दिलहारी ने पांचवें विकेट के लिए 59 गेंदों पर 67 रन जोड़कर पारी संभाली।

ज्वेरेव और शेल्टन यूएस ओपन फाइनल में भिड़ेंगे

शेल्टन 23 साल बाद फाइनल में पहुंचने वाले अमेरिकी खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

US ओपन के मेंस सिंगल्स फाइनल में जर्मनी के वर्ल्ड नंबर-1 एलेक्जेंडर ज्वेरेव और अमेरिका के बेन शेल्टन आमने-सामने होंगे। शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल में ज्वेरेव ने रूस के करेन खाचानोव को 6-3, 7-6, 7-6 से हराया, जबकि शेल्टन ने हमवतन फ्रांसेस टियाफो को 4-6, 6-3, 6-3, 7-5 से शिकस्त दी। खिताबी मुकाबला रविवार को न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेला जाएगा।

ज्वेरेव ने इस साल फ्रेंच ओपन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था और इसके बाद विंबलडन के फाइनल में पहुंचे, जहां उन्हें जैनिक सिनर से हार मिली। अब उनके पास इस साल दूसरी मेजर

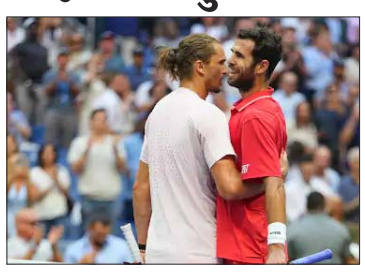

ट्रॉफी जीतने का मौका है। यह उनके करियर का छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल होगा।

खाचानोव ने दूसरे सेट में 0-2 से पिछड़ने के बाद ज्वेरेव ने वापसी की। इसके बाद सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा। यहां खाचानोव ने ज्वेरेव के दो सेट पॉइंट बचाए, लेकिन ज्वेरेव ने दबाव बनाए रखा और सेट 7-6 से अपने नाम कर लिया। तीसरे सेट में भी खाचानोव ने टाईब्रेकर में 3-0 और फिर 5-2 की बढ़त बनाई। एक समय लगा कि मुकाबला चौथे सेट में जा सकता है, लेकिन ज्वेरेव ने लगातार पॉइंट्स जीतकर स्कोर बराबर किया और 7-6 से सेट जीत लिया।

खाचानोव खराब फॉर्म के बावजूद US ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरी बार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे।

मौजूदा 50वीं रैंकिंग वाले खाचानोव ने दूसरे और तीसरे सेट में ज्वेरेव को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अहम मौकों पर गलतियां कीं। वहीं, ज्वेरेव ने गेम पर पकड़ बनाए रखी। इस जीत के साथ इस सीजन ग्रैंड स्लैम मैचों में ज्वेरेव का रिकॉर्ड 24-2 हो गया है।

कोहली के 2027 वर्ल्डकप पर कोच बोले- चर्चा ही क्यों

नई दिल्ली। विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा का मानना है कि वर्ल्ड कप में विराट की जगह पर चर्चा करना ही नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि कोहली मैदान पर अपने प्रदर्शन और फिटनेस से खुद जवाब दे रहे हैं।

वहीं, रोहित शर्मा को लेकर राजकुमार ने कहा कि वह अब भी शानदार खिलाड़ी और मैच विनर हैं। दूसरी ओर, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने भी साफ किया है कि कोहली जब भी फ्री होंगे, दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट जरूर खेलेंगे।

रोहित और कोहली 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में खेलते दिखेंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत 3 वनडे और 5 टी-20 मैच खेलेगा।

राजकुमार शर्मा ने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा कि कोहली ने हाल के मैचों में जिस तरह प्रदर्शन किया है, उसे देखते हुए 2027 वर्ल्ड कप में उनकी जगह को लेकर बहस नहीं होनी चाहिए।

चामा मिलिंद उपकप्तान, 11 अक्टूबर को त्रिपुरा से पहला मुकाबला

मोहम्मद सिराज हैदराबाद रणजी ट्रॉफी के कप्तान बने

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 2026-27 रणजी ट्रॉफी सीजन में हैदराबाद के कप्तान होंगे। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (HCA) ने शनिवार को इसका ऐलान किया।

सीजन 11 अक्टूबर से शुरू होगा। हैदराबाद का पहला मुकाबला त्रिपुरा से होगा। तेज गेंदबाज चामा मिलिंद को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। श्रीलंका दौरे के दौरान सिराज की रफ्तार को लेकर चिंता जताई गई थी। उनकी रफ्तार सामान्य 140 किलोमीटर प्रति घंटे के मध्य स्तर से घटकर 120 किलोमीटर प्रति घंटे के आखिरी स्तर तक पहुंच गई थी।

दो मैचों की सीरीज में सिराज ने 44 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्होंने इस दौरान चार विकेट लिए थे। दलीप ट्रॉफी फाइनल के बाद चेन्नई में सिराज ने कहा, दो महीने के ब्रेक के बाद सीधे मैच में उतरने से मेरी लय पूरी तरह नहीं बन पाई थी। मैं पूरी तरह लय पर निर्भर रहने वाला गेंदबाज हूं। अगर मैं लय में नहीं हूं, तो क्रीज से पूरी ताकत के साथ गेंद नहीं फेंक पाता। उन्होंने कहा, श्रीलंका में यही परेशानी थी। मेरा रन-अप बिखरा हुआ लग रहा था। कुछ कदम बहुत छोटे थे और कुछ बहुत लंबे। इससे मेरा प्रवाह टूट गया और मेरी रफ्तार कम हो गई।

रणजी ट्रॉफी 2026-27 11 अक्टूबर 2026 से 3 मार्च 2027 तक खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट दो लेग में खेला जाएगा, जिसमें एलीट ग्रुप में 32 टीमें और प्लेट ग्रुप में 6 टीमें शामिल हैं।

BCCI के 2026-27 के डोमेस्टिक सीजन में कुल 1,788 मैच खेले जाएंगे। इस सीजन की शुरुआत दलीप ट्रॉफी से हुई थी और रणजी ट्रॉफी के अलावा इसमें सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंट भी शामिल हैं।

हैदराबाद रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप बी में

हैदराबाद को रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप B में रखा गया है। इस ग्रुप में सौराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और त्रिपुरा भी हैं।

सिराज ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में भी हैदराबाद की दो मैचों में कप्तानी की थी। सिराज हाल ही में तिलक वर्मा की कप्तानी में 2026 की दलीप ट्रॉफी में साउथ जोन के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते नजर आए थे।

मनोरंजन

आलिया भट्ट के बॉडीगार्ड ने फैन को किया साइड

सेल्फी लेने करीब पहुंच गया था शख्स, एक्ट्रेस दूसरे फैन्स के साथ तस्वीरें खिंचवा रही थीं

नई दिल्ली, एजेंसी

आलिया भट्ट शुक्रवार को मुंबई में अपनी अपकमिंग फिल्म डोंट बी शाय के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंची थीं। इवेंट के बाद बाहर निकलते समय भीड़ के बीच एक फैन उनकी तरफ सेल्फी लेने के लिए बढ़ने लगा और एक्ट्रेस के करीब आने की कोशिश की।

इसके बाद उनके बॉडीगार्ड ने फैन को तेजी से साइड कर दिया।

हालांकि इस दौरान आलिया का ध्यान फैन की साइड नहीं था और वो दूसरे फैन्स के साथ तस्वीरें खिंचवा रही थीं। डोंट बी शाय आलिया भट्ट के प्रोडक्शन की फिल्म है। फिल्म में प्यार और जिंदगी के फैसलों के बीच की कहानी दिखाई गई है। जो 25 सितंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। डोंट बी शाय के ट्रेलर लॉन्च पर आलिया ने बहन शाहीन का बचपन का किस्सा सुनाया।

कार्यक्रम के होस्ट ने आलिया, शाहीन और डायरेक्टर सृति मुखर्जी से 'ऑरा फार्मिंग', 'ब्रेडक्रम्बिंग', 'साइड क्वेस्ट', 'ब्रेनरॉट' और 'रेजबेट' जैसे जेन जी टर्म्स के मतलब पूछे। आलिया ने 'रेजबेट' का मतलब बताते हुए कहा, "जब मैं बच्ची थी, तब शाहीन मेरे साथ यही करती थीं। वह मुझसे कहती थीं कि मैं पार्ले-जी के साथ फ्री आई हूं।" उन्होंने कहा, "वह कहती थीं कि मैं असल में अपनी मां और पापा की बच्ची नहीं हूं। मैं चार साल की थी, जब शाहीन मुझे रेजबेट करती थीं।" फिल्म डोंट बी शाय में चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में आलिया ने कहा, "14 साल पहले मैंने एक एक्टर के तौर पर डेब्यू किया था। आज 14 साल बाद मैं चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को पेश कर रही हूं।"

आलिया भट्ट ने बॉडीगार्ड को फैन से बदसलूकी करने से रोका था

2024 में आलिया भट्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में एक फैन एयरपोर्ट पर आलिया के साथ सेल्फी लेने की कोशिश करता नजर आया। इसी दौरान उनके बॉडीगार्ड ने फैन की शर्ट पकड़कर उसे पीछे खींच दिया।

प्रभास की 'स्पिरिट' के रिव्यू को लेकर क्रिटिक्स को चुनौती

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के भाई बोले- फिल्म आएगी

नई दिल्ली, एजेंसी

फिल्म निर्माता संदीप रेड्डी वांगा के भाई और निर्माता प्रणय रेड्डी वांगा ने उनकी फिल्म 'रोमांचकम' की समीक्षा करने वाले समीक्षकों को चुनौती दी।

उन्होंने कहा कि समीक्षक फिल्म 'स्पिरिट' को भी उसी नजरिए से परखें। 'स्पिरिट' में प्रभास और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। वहीं, फिल्म का डायरेक्शन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, प्रणय रेड्डी वांगा और प्रभाकर रेड्डी वांगा फिल्म के प्रोड्यूसर हैं।

प्रणय ने यह बात यूट्यूब चैनल टैग तेलुगु से बातचीत में कही। 'रोमांचकम' 3 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसे मिली-जुली से औसत प्रतिक्रियाएं मिली थीं।

प्रणय ने कहा कि फिल्मों की समीक्षा करना आसान काम लग सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली कई फिल्में सफल नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि फिल्म बनाने की मुश्किलें तभी समझ आती हैं, जब कोई खुद प्रोडक्शन प्रक्रिया का हिस्सा बनता है। "अगर आप प्रोडक्शन में आते हैं, तो समझते हैं कि लिखी गई चीज को पर्दे पर उतारने के लिए निर्देशक कितनी मेहनत करता है।

बॉडी शेमिंग को लेकर नीना गुप्ता ने दिया जवाब

67 साल की एक्ट्रेस बोलीं- 'कोई पूछे तो कह देना मैं प्रेग्नेंट हूं'

नई दिल्ली। नीना गुप्ता ने हाल ही में बॉडी शेमिंग और शादी को लेकर किए जाने वाले सवालों पर मजेदार अंदाज में जवाब दिया।

CNN-न्यूज18 को दिए इंटरव्यू में पूछा गया कि जब लोग पूछते थे कि उनकी शादी क्यों नहीं हुई, तो वह इस पर क्या जवाब देती थीं। इस पर नीना ने कहा, "मैं तुम्हारे बाप का तो नहीं खा रही ना, अपने बाप का खा रही हूं। तुम्हें क्या प्रॉब्लम है, शादी करी कि नहीं?" एक अन्य सवाल में जब पूछा गया कि कोई यह कहे कि आप पिछली बार से ज्यादा मोटी हो गई हैं, तो वह क्या जवाब देंगी। इस पर नीना ने कहा, "प्रेग्नेंट हूं।" नीना ने बताया कि वह वजन को लेकर होने वाली टिप्पणियों से काफी परेशान हो जाती थीं। उन्होंने कहा कि हाल ही में उन्होंने थोड़ी मोटी साड़ी पहनी थी। साड़ी की वजह से शरीर के एक हिस्से पर थोड़ा बल्क नजर आ गया। इसके बाद लोगों ने कहना शुरू कर दिया कि नीना गुप्ता 60 की उम्र में प्रेग्नेंट हैं। नीना ने

बताया कि मैंने कहा, अब कोई पूछे तो कह देना, "मैं प्रेग्नेंट हूं।" जब उन्हें बताया गया कि हाल ही में 74 साल की एक महिला के जुड़वां बच्चे हुए हैं, जिस पर नीना ने हंसते हुए कहा, "मेरा चांस है अभी।" नीना गुप्ता को पिछले साल एयरपोर्ट पर शॉर्ट्स पहनने और अपना वीडियो शेयर करने के बाद सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा, जिसका उन्होंने बेहद करारा जवाब दिया था।

फिल्म 'हीरो' की 11वीं सालगिरह की पोस्ट में गाने को लेकर क्रेडिट नहीं मिलने पर जताई नाराजगी

सलमान खान फिल्म्स पर भड़के अमाल मलिक

नई दिल्ली, एजेंसी

म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक ने फिल्म 'हीरो' की 11वीं सालगिरह पर सलमान खान फिल्म्स की सोशल मीडिया पोस्ट पर नाराजगी जताई। उन्होंने पोस्ट में संगीतकार और गीतकार को क्रेडिट नहीं देने पर प्रोडक्शन हाउस को घेरा।

दरअसल, सलमान खान फिल्म्स ने 2015 में रिलीज हुई 'हीरो' की सालगिरह मनाई थी। इस फिल्म से सूरज पंचोली और अथिया शेट्टी ने बॉलीवुड डेब्यू किया था।

अमाल ने सलमान खान फिल्म्स के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट @skfilmsofficial के कमेंट सेक्शन में लिखा, "जिसने भी यह पेज या सोशल मीडिया संभाला है, मुझे उस ऑडेसिटी से प्यार है, जो आपने गाने के संगीतकार और गीतकार को छोड़कर दिखाई है।"

उन्होंने आगे लिखा, "यह अच्छी बात नहीं लगती कि किसी संगीतकार और उसके गीतकार की मेहनत, खून, पसीने और आंसुओं से बने गाने का जश्न मनाया जाए, लेकिन उसके रचनाकारों का सम्मान या जिक्र तक न हो।"

अमाल ने टीम को बुनियादी बातें सीखने की सलाह दी। उन्होंने लिखा, "बेसिक चीजें करना सीखिए, वरना यह पेज डिलीट कर दीजिए।"

अमाल ने टीम से उनका कमेंट नहीं हटाने की अपील भी की। उन्होंने लिखा, "मेरा कमेंट डिलीट मत करना। सलमान सर को भी इसे देखने दो, ताकि उन्हें पता चले कि आप लोगों ने गलती की है।"

फिल्म 'हीरो' के साउंडट्रैक को अमाल मलिक, मीट ब्रदर्स अंजन, सचिन-जिगर और जस्सी कट्याल ने कंपोज किया था।

हालांकि, अमाल मलिक के कमेंट के बाद सलमान खान फिल्म्स की टीम ने अपनी गलती सुधारी।

सलमान ने अमाल मलिक को ब्रेक दिया था

अमाल मलिक के करियर में सलमान खान का योगदान रहा है। सलमान ने साल 2014 में अपनी फिल्म 'जय हो' से अमाल को बॉलीवुड में बतौर म्यूजिक कंपोजर ब्रेक दिया था। इसके बाद साल 2015 में सलमान खान के प्रोडक्शन हाउस की फिल्म 'हीरो' के लिए अमाल मलिक ने ही संगीत तैयार किया था। इस फिल्म का गाना 'मैं हूं हीरो तेरा' ब्लॉकबस्टर रहा, जिसे ओरिजिनली अमाल के भाई अरमान मलिक ने गाया था और बाद में खुद सलमान खान ने भी अपनी आवाज में इसका एक स्पेशल वर्जन रिकॉर्ड किया था।

इजराइली पीएम के मेकअप पर 4 करोड़ खर्च

रिकॉर्ड

तीन प्रधानमंत्रियों में नेतन्याहू के मेकअप का बिल सबसे ज्यादा, हेयर स्टाइलिस्ट के नाम छिपाए

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल में प्रधानमंत्री के बालों की स्टाइलिंग और मेकअप पर 2019 से अगस्त 2026 तक करीब 4.7 लाख डॉलर यानी लगभग 4 करोड़ रुपए खर्च हुए। इसका खुलासा सूचना के अधिकार के तहत मिले सरकारी रिकॉर्ड से हुआ है।

दिसंबर 2025 में वकील यारा शलित ने PM ऑफिस से इस खर्च की जानकारी मांगी थी। इसके बाद अलग-अलग साल और महीनों में हुए खर्च का ब्योरा जारी किया गया। इस दौरान पिछले 7 साल में तीन प्रधानमंत्री रहे- बेंजामिन नेतन्याहू, नफ्ताली बेनेट और याइर लैपिड।

रिकॉर्ड के मुताबिक, बाल और मेकअप पर हुए कुल खर्च का करीब 90% हिस्सा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा पर हुआ। हालांकि, कई दस्तावेजों में उनके हेयर स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट के नाम छिपा दिए गए। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसके लिए राज्य की सुरक्षा का हवाला दिया।

सितंबर से नवंबर 2023 के बीच प्रधानमंत्री के बालों की स्टाइलिंग पर करीब 2,600 डॉलर यानी 22 लाख रुपए और मेकअप पर करीब 1,580 डॉलर यानी 13 लाख रुपए खर्च हुए। अक्टूबर 2023 में अकेले हेयर स्टाइलिंग पर करीब 810 डॉलर यानी 68 हजार रुपए खर्च किए गए।

इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू अपने बालों का रंग बदलते रहते हैं।

2025 में सबसे ज्यादा खर्च विदेश यात्राओं में भी बिल बढ़ा

2025 में प्रधानमंत्री के बालों और मेकअप पर सबसे ज्यादा पैसा खर्च हुआ। पूरे साल यह रकम करीब 93 लाख रुपए रही।

विदेश यात्राओं में भी इस पर लाखों रुपए खर्च हुए। फरवरी 2025 में हेयर स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट की सेवाओं पर करीब 11 लाख रुपए खर्च किए गए। यह विदेश यात्रा के दौरान इस मद में सबसे बड़ा खर्च था।

यह यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात के लिए हुई थी। उस समय नेतन्याहू, ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में व्हाइट हाउस पहुंचने वाले पहले विदेशी नेता थे।

जुलाई 2024 में भी नेतन्याहू की वॉशिंगटन यात्रा के दौरान बालों और मेकअप पर करीब 9.6 लाख रुपए खर्च हुए थे।

पूरे 2023 में हेयर स्टाइलिंग और मेकअप पर करीब 1.03 लाख डॉलर यानी 86 लाख रुपए खर्च हुए।

इसके मुकाबले 2022 में नफ्ताली बेनेट और याइर लैपिड के कार्यकाल के दौरान यह खर्च करीब 27,600 डॉलर यानी 23 लाख रुपए था। नेतन्याहू फरवरी 2025 में 4 दिन की वॉशिंगटन यात्रा पर गए थे। नेतन्याहू फरवरी 2025 में 4 दिन की वॉशिंगटन यात्रा पर गए थे।

नवंबर 2020 में कोरोना के दौरान नेतन्याहू खुद बाल कटवाने गए थे।

मेहमानों और कपड़ों पर भी नेतन्याहू का खर्च ज्यादा

बाल और मेकअप के अलावा प्रधानमंत्री के कपड़ों और मेहमानों की मेजबानी पर भी सरकारी पैसा खर्च होता है।

इस मद में नेतन्याहू से जुड़े खर्च करीब 1.12 करोड़ रुपए रहे। इसके मुकाबले नफ्ताली बेनेट के लिए करीब 16 लाख रुपए और याइर लैपिड के लिए करीब 2.2 लाख रुपए खर्च हुए।

ग्वांगझू-दिल्ली के बीच शुरू होगी डायरेक्ट फ्लाइट

चिनफिंग के भारत आने से पहले बड़ा फैसला

बीजिंग, एजेंसी

ब्रिक्स समिट के लिए चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के भारत दौरे से पहले चाइना सदर्न एयरलाइंस ने छह साल बाद ग्वांगझू-नई दिल्ली के बीच उड़ानें फिर से शुरू करने का एलान किया है। 21 सितंबर से ग्वांगझू-नई दिल्ली रूट पर रेगुलर पैसेंजर सर्विस फिर से शुरू करेगी। एयरलाइन ने कहा कि इस बहाली के बाद दक्षिण एशिया में आठ राउंड-ट्रिप मार्गों पर इसका कुल संचालन प्रति सप्ताह 100 से अधिक उड़ानों तक पहुंच जाएगा। गौरतलब है कि गुआंगजौ-नई दिल्ली हवाई सेवा पिछले छह वर्षों से निलंबित थी। हाल के महीनों में भारत और चीन के बीच हवाई संपर्क में धीरे-धीरे सुधार देखा गया है। अप्रैल में एयर चाइना ने अपनी बीजिंग-दिल्ली सेवा फिर से शुरू की थी, जबकि चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस ने 18 अप्रैल को कुनमिंग और कोलकाता के बीच सीधी उड़ानें दोबारा शुरू कीं। भारतीय विमानन कंपनी इंडिगो ने भी 30 मार्च को कोलकाता और शंघाई के बीच दैनिक नॉन-स्टॉप सेवा की शुरुआत की थी। इंडिगो ने इससे पहले कोलकाता से गुआंगज़ौ के लिए उड़ानें बहाल की थीं और बाद में दिल्ली से भी इस चीनी शहर के लिए संचालन शुरू किया था। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर शी चिनफिंग शनिवार को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए बीजिंग से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए।

फास्ट न्यूज

रूस में भीषण सड़क हादसा

मॉस्को। शुक्रवार को रूस के उत्तरी आर्कान्गेल्स्क क्षेत्र में एक मिनीबस, कार और लकड़ी ले जा रहे ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय अधिकारियों के हवाले से दी गई जानकारी के अनुसार मिनीबस किसी अन्य वाहन को ओवरटेक कर रही थी, तभी उसकी ट्रक से टक्कर हो गई। राज्य समाचार एजेंसी आरआईए ने आंतरिक मंत्रालय के अधिकारियों के हवाले से बताया कि मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है।

रिपब्लिकन सम्मेलन में छाए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

डलास। अमेरिका में आगामी मध्यावधि चुनावों से पहले राजनीतिक माहौल पूरी तरह गर्मा गया है। ऐसे में डलास में आयोजित रिपब्लिकन पार्टी के एक बड़े सम्मेलन के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में एक बड़ा और चौंकाने वाला बयान दिया है। वेंस ने खुले तौर पर दावा किया है कि वे ही राष्ट्रपति ट्रंप के असली उत्तराधिकारी हैं। सम्मेलन के दौरान वेंस के भाषण पर पूरा हॉल तालियों और 'जेडी-जेडी' के नारों से गूंज उठा। अपने आक्रामक भाषण में वेंस ने विपक्षी डेमोक्रेट्स पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें 'सिरफिरा' करार दिया।

'यूक्रेन युद्ध में अब तक 5 लाख से ज्यादा रूसी सैनिक मारे गए'

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले चार साल से जारी भीषण संघर्ष आज भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में इस पूरे संघर्ष को लेकर अब ब्रिटेन के एक शीर्ष रक्षा अधिकारी ने चौंकाने वाले आंकड़े सामने रखे हैं। ब्रिटेन के डिफेंस स्टाफ के प्रमुख एयर चीफ मार्शल सर रिचर्ड नाइटटन ने शुक्रवार को दावा किया कि फरवरी 2022 में रूस के आक्रमण की शुरुआत से लेकर अब तक 5 लाख से ज्यादा रूसी सैनिक मारे जा चुके हैं।

यह देश की जीडीपी का 11%, बाढ़ से 16 लाख लोग प्रभावित, 1377 की मौत

नेपाल में बाढ़ से तबाही 45 हजार करोड़ लगेंगे

काठमाण्डू, एजेंसी

नेपाल में 26 अगस्त को आई भयानक बाढ़ से बड़े पैमाने पर तबाही हुई। टूटे घर, सड़कें, पुल और दूसरी सुविधाएं दोबारा बनाने के लिए 7,233 करोड़ नेपाली रुपए यानी करीब 45 हजार करोड़ की जरूरत का अनुमान है। यह नेपाल की GDP का करीब 11% है।

बाढ़ और भूस्खलन से 16 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अब तक 1,377 लोगों की मौत और करीब 5,130 लोगों के लापता होने की खबर है। करीब 65% रिकवरी खर्च यानी 29 हजार करोड़ सड़क, पुल, बिजली और दूसरी जरूरी सुविधाओं पर खर्च होंगे। बाढ़ में 7,570 घर, 48 सरकारी इमारतें, 18 स्कूल और 7 स्वास्थ्य केंद्र भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

बाढ़ के समय प्रोजेक्ट में 1,433 लोग काम कर रहे थे। इनमें 878 बचा लिए गए, जबकि 545 लापता हैं। इनमें 9 दक्षिण कोरियाई, 34 चीनी और 50 भारतीय शामिल हैं।

अपर त्रिशूली-1 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में 545 लापता लोगों की तलाश के लिए प्रशिक्षित खोजी कुत्ते उतारे गए हैं। टीमें सुरंगों, हेडवर्क्स और मलबे में तलाश कर रही हैं।

भारत ने भेजी 130 टन से ज्यादा राहत सामग्री

नेपाल के राहत और बचाव अभियान में भारत लगातार मदद कर रहा है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 26 अगस्त से अब तक आठ विशेष उड़ानों के जरिए नेपाल को 130 टन से ज्यादा राहत सामग्री भेजी गई है। भारत ने 54 विशेषज्ञों को भी नेपाल भेजा है। इनमें सुरंग और मलबे में फंसे लोगों को निकालने वाली टीमें, मेडिकल विशेषज्ञ और फोरेंसिक कर्मी शामिल हैं।

पाकिस्तान में दो नाबालिग हिंदू बहनों का पहले किया जबरन धर्मांतरण फिर पढ़वा दिया निकाह

'हमें घर भेज दो'

आरोप

- सिंध में दो नाबालिग हिंदू बहनों का जबरन धर्मांतरण कराया गया।
- अदालत ने बहनों को माता-पिता के बजाय आश्रय गृह भेजा।
- परिवार ने लड़कियों की सुरक्षा और इच्छाओं को प्राथमिकता देने की मांग की।

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 2 हिंदू बहनों का पहले जबरन धर्मांतरण कराया और फिर उनकी शादी करा दी। ये दो बहनें अदालत के बाहर रोते हुए बोलीं, 'हमें घर भेज दो।'

परिवार का आरोप है कि उनका अपहरण कर जबरन इस्लाम कबूल कराया गया और मुस्लिम पुरुषों से शादी करा दी गई। परिजनों के अनुसार अमजद सोलंगी व मंसूर सोलंगी से उनकी शादी कराई गई है। दोनों बहनें नाबालिग हैं और 13 व 14 साल की हैं।

'वॉइस ऑफ पाक माइनॉरिटी' के मुताबिक, पाक में 2021-2025 में अल्पसंख्यक लड़कियों के अपहरण और जबरन धर्मांतरण के 515 मामले दर्ज हुए। जबरन शादी की शिकायतें भी सामने आईं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2025 में जबरन शादी के जरिए धर्मांतरण की पीड़ितों में 75% हिंदू और 25% ईसाई थीं। वहीं, बीते साल 12 चर्चों और सात मंदिरों को भी नुकसान पहुंचा है।

अदालत ने क्या आदेश दिया?

सिंध प्रांत के तंदो अल्लाहयार जिले की अदालत ने दोनों को माता-पिता के साथ भेजने के बजाय आश्रय गृह भेजने का आदेश दिया। सिंधी अधिकार संगठन 'सिंध रेनेसां' के अनुसार, उन्हें वहां 2 दिन रखने को कहा गया है। पीड़िता के परिवार ने कानूनी मदद की मांग की है। मांग है कि लड़कियों की इच्छाओं व सुरक्षा को फैसले में प्राथमिकता दी जाए।

होर्मुज बंद होने के बाद इसी से रोजाना 50 लाख बैरल तेल भेज रहा था

ड्रोन हमले के बाद सऊदी ने तेल पाइपलाइन बंद की

रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब ने ड्रोन हमले के बाद अपनी ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन बंद कर दी है। गुरुवार को हुए ड्रोन हमले में पाइपलाइन से जुड़े पंपिंग स्टेशनों में आग लग गई और कुछ लोग घायल हुए।

ईरान जंग के चलते होर्मुज बंद होने के बाद सऊदी इसी पाइपलाइन से रोजाना करीब 50 लाख बैरल तेल भेज रहा था।

सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि पाइपलाइन पर गुरुवार को कई हमले हुए थे। मंत्रालय की टीमें पाइपलाइन को सुरक्षित करने और नुकसान का पता लगाने में जुटी हैं। फिलहाल यह साफ नहीं है कि ये हमले किसने किए। अब तक किसी भी देश या संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

सऊदी अरब का ज्यादातर तेल देश के पूर्वी हिस्से में निकलता है। इसे दूसरे देशों तक पहुंचाने के लिए आमतौर पर जहाजों का इस्तेमाल होता है, जिन्हें फारस की खाड़ी से बाहर निकलने के लिए होर्मुज स्ट्रेट से गुजरना पड़ता है।

ईरान युद्ध के बाद होर्मुज का रास्ता बंद हुआ तो सऊदी ने ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन का सहारा लिया। यह पाइपलाइन तेल को देश के पूर्वी हिस्से से सीधे पश्चिमी तट के यानबू बंदरगाह तक पहुंचाती है। यानी तेल को होर्मुज से होकर नहीं जाना पड़ता। होर्मुज बंद होने के बाद सऊदी इस पाइपलाइन से रोजाना करीब 50 लाख बैरल तेल यानबू भेज रहा था। वहां से तेल जहाजों के जरिए दूसरे देशों तक पहुंचाया जा सकता है।

सैटेलाइट तस्वीरों में दिखा पंपिंग स्टेशनों को हुआ नुकसान

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, हमले में पाइपलाइन के पास बने पंपिंग स्टेशनों को निशाना बनाया गया। पंपिंग स्टेशन पाइपलाइन में तेल को आगे भेजने में मदद करते हैं।

शुक्रवार को ली गई सैटेलाइट तस्वीर में एक पंपिंग स्टेशन पर आग से काफी नुकसान दिखाई दिया। एक दूसरी तस्वीर में स्टेशन से काला धुआं निकलता दिखा।

अभी यह साफ नहीं है कि पाइपलाइन को सीधे कितना नुकसान हुआ है। यह भी पता नहीं है कि पाइपलाइन फिर से कब शुरू होगी।

सऊदी विदेश मंत्रालय ने कहा कि रियाद और मदीना इलाकों में पाइपलाइन पर कई ड्रोन से हमला किया गया। सऊदी के मुताबिक, ये ड्रोन इराक से आए थे।

सऊदी ने कहा कि इराक के प्रधानमंत्री के कहने पर उसने अभी जवाबी हमला नहीं करने का फैसला किया है। सऊदी चाहता है कि इराक पहले अपनी जमीन से होने वाले ऐसे हमलों को रोकने के लिए कार्रवाई करे।

इराक ने भी हमले की निंदा की है। इराकी सरकार ने कहा कि वह इस मामले की जांच करेगी और अपनी जमीन या हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल दूसरे देशों पर हमला करने के लिए नहीं होने देगी।

जोमैटो से खाना मंगवाना महंगा हुआ

कैश ऑन डिलीवरी पर 5 से 20 रुपए तक ज्यादा देने होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो से खाना ऑर्डर करना अब महंगा हो गया है। अब आप जोमैटो से खाना ऑर्डर करते समय 'कैश ऑन डिलीवरी' यानी डिलीवरी के वक्त नकद भुगतान का ऑप्शन चुनते हैं, तो आपको 5 रुपए ज्यादा देने होंगे।

यह नया शुल्क एप के बिल समरी में 'पे ऑन डिलीवरी फीस' के नाम से अलग से जुड़ेगा। कुछ यूजर्स के एप बिल में यह फीस 7 रुपए से लेकर 20 रुपए तक अलग-अलग भी दिखाई दे रही है।

हालांकि, जो यूजर UPI, क्रेडिट/डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग जैसे डिजिटल माध्यमों से ऑनलाइन भुगतान करेंगे, उन पर यह एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लगेगा।

जोमैटो की ओर से लगाया गया यह नया 'पे ऑन डिलीवरी फीस' कंपनी के प्लेटफॉर्म फीस, रेस्टोरेंट पैकेजिंग चार्ज, डिलीवरी चार्ज और GST से अलग है।

यानी अब आपको खाने के साथ-साथ पैकेजिंग, डिलीवरी, प्लेटफॉर्म और कैश में भुगतान करने तक के अलग से पैसे देने होंगे। हालांकि, स्विगी ने फिलहाल ऐसा कोई चार्ज लागू नहीं किया है।

जोमैटो पर हर दिन करीब 23 से 25 लाख ऑर्डर किए जाते हैं। अगर सिर्फ 5 रुपए का छोटा सा एक्स्ट्रा चार्ज भी लगाया जाए, तो कंपनी को हर दिन 1.25 करोड़ रुपए तक की ज्यादा कमाई हो सकती है।

नाकेबंदी : अल मंदेब पर हूती विद्रोहियों का कब्जा कहा- सऊदी अरब के अलावा किसी का जहाज नहीं रोकेंगे

होर्मुज के बाद अब दूसरे तेल रूट पर संकट

सना, एजेंसी

होर्मुज स्ट्रेट के बाद अब एक और समुद्री ऑयल रूट बाब अल-मंदेब स्ट्रेट संकट में है। यमन के हूती विद्रोहियों ने यहां कब्जे का एलान किया है। बाब-अल-मंदेब एशिया और यूरोप के बीच जहाजों की आवाजाही के लिए अहम रास्ता है।

हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि सऊदी समर्थित सेनाओं ने बाब अल-मंदेब के बीच स्थित पेरिम द्वीप पर से कंट्रोल खो दिया है। अब उनका 5,400 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा हो गया है।

हूती प्रवक्ता ने कहा कि इस स्ट्रेट से सऊदी अरब को छोड़, बाकी सभी देशों के जहाजों के गुजरने की इजाजत है। हूती विद्रोहियों का कहना है कि सऊदी अरब ने उनकी आर्थिक नाकेबंदी कर रखी है।

एक्सिऑन की रिपोर्ट के मुताबिक हूतियों के खिलाफ सऊदी अरब को अमेरिकी मदद की उम्मीद थी। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रम्प से सीधे अमेरिकी हवाई हमले करने की अपील की थी, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने इनकार कर दिया।

हालांकि अमेरिका क्षेत्र की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। CNN के मुताबिक, 100 से ज्यादा अमेरिकी सैन्य सलाहकार सऊदी अरब में मौजूद हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने इनकी संख्या करीब 200 बताई है। ये अमेरिकी सैन्यकर्मी सऊदी सेना को हूतियों से जुड़ी खुफिया जानकारी पता लगाने मदद कर रहे हैं। इस तरह अमेरिका सीधे सैन्य कार्रवाई से बच रहा है। धार्मिक फर्क ने तनाव बढ़ायाः हूती यमन के जायदी शिया समुदाय से आते हैं, जबकि सऊदी अरब सुन्नी बहुल देश है। दोनों की धार्मिक मान्यताओं में फर्क है। हालांकि, हूती-सऊदी संघर्ष को सिर्फ शिया बनाम सुन्नी की लड़ाई समझना सही नहीं होगा। विवाद की जड़ 1990 के दशक में पड़ीः यमन के उत्तरी हिस्से में जायदी समुदाय को लगने लगा था कि सरकार उनके राजनीतिक और धार्मिक हितों की अनदेखी कर रही है।

ईरान ने हूतियों की मदद की

रॉयटर्स के मुताबिक, ईरान ने हूतियों को सैन्य सलाह और मदद दी थी। एक राजनयिक के मुताबिक, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कई वरिष्ठ कमांडर यमन में मौजूद हैं। अभियान शुरू होने से पहले ईरान और हूतियों के बीच कई बैठकें भी हुई थीं। हालांकि, मोखा पर हमला करने का फैसला हूतियों ने खुद लिया था।

यमन के पांच सैन्य अधिकारियों ने भी कहा कि लाल सागर में हूतियों के नए अभियान में ईरान ने मदद की थी। यमनी सूत्रों का दावा है कि कुद्स फोर्स के कमांडर अब्दोलरेजा शहलाई हूतियों के अभियान को दिशा दे रहे थे। ईरान ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

हूती लड़ाके बाब अल-मंदेब के ठीक सामने धुबाब शहर में भी दाखिल हो गए हैं।

होर्मुज के बाद अब दूसरे तेल रूट पर संकट

पाकिस्तान में अफगान मेडिकल छात्रों को बड़ी राहत

लाहौर हाईकोर्ट ने निष्कासन पर लगाई रोक

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चल रहे विवाद का असर बीते कुछ दिनों से वहां पढ़ाई कर रहे छात्रों के भविष्य पर दिखने लगा था। हालांकि अब अदालत के एक कड़े फैसले ने फिलहाल इन छात्रों को बड़ी राहत दी है। पूरे मामले को ऐसे समझिए कि पाकिस्तान सरकार ने हाल ही में देश के सभी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों को यह आदेश दिया था कि वे वहां पढ़ रहे सभी अफगान छात्रों को तुरंत कॉलेज से बाहर निकालें और उन्हें वापस अफगानिस्तान भेजें। सरकार ने इसके पीछे दोनों देशों के बीच बिगड़े हुए रिश्तों का हवाला दिया था। इस फैसले के बाद छात्रों को उनके हॉस्टल से भी बाहर निकाला जाने लगा था। बता दें कि इस अचानक और कठोर फैसले के खिलाफ 13 अफगान मेडिकल छात्रों ने लाहौर हाईकोर्ट (LHC) में याचिका दायर की। इन छात्रों में कई ऐसी लड़कियां भी शामिल हैं जो अपनी पढ़ाई के आखिरी वर्ष में थीं और कुछ ही महीनों में डॉक्टर बनने वाली थीं। एक छात्रा ने अदालत को बताया कि वह पहले ही तालिबान के प्रतिबंधों की वजह से अफगानिस्तान में अपनी पढ़ाई छोड़ चुकी थी और पाकिस्तान में बहुत उम्मीद के साथ अपनी डिग्री पूरी कर रही थी। मामले की सुनवाई करते हुए लाहौर हाईकोर्ट के जस्टिस खालिद इशाक ने पाकिस्तान मेडिकल एंड डेंटल काउंसिल के उस आदेश को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया, जिसमें अफगान छात्रों को निकालने को कहा गया था।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676